

DOES NOT MEET OF
MAIL POLICY

CIRCUMVENTING PRISON TECH CENSORSHIP

**This Technology Was
Supposed to Help People in
Prison. It's Backfiring in a
Big Way.**

**Books give incarcerated
people access to the world,
but tablets are often used to
wall them off**

Works
of William
Shakespeare

**Lifeline, Cash-Grab, Tool for
Censorship: Three
Incarcerated Readers on
eBooks in Prison: Stevie
Wilson, David Webb, and
Paula Grieve**

**Microsoft's iron cage: Prison
surveillance and
e-carceration**



PRISON
BANNED
BOOKS
WEEK



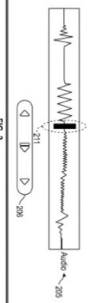
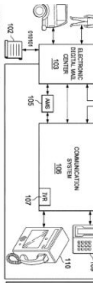
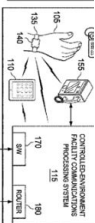
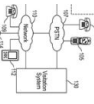
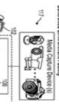
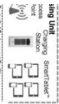
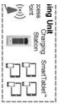
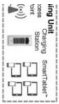
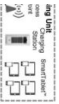
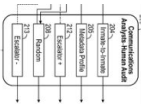
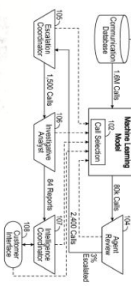
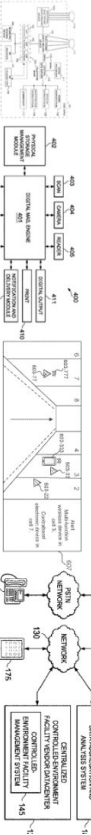
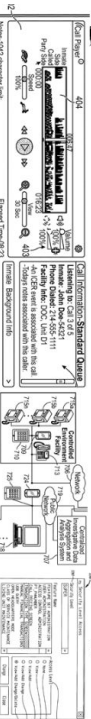
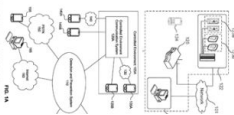
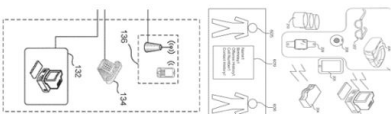
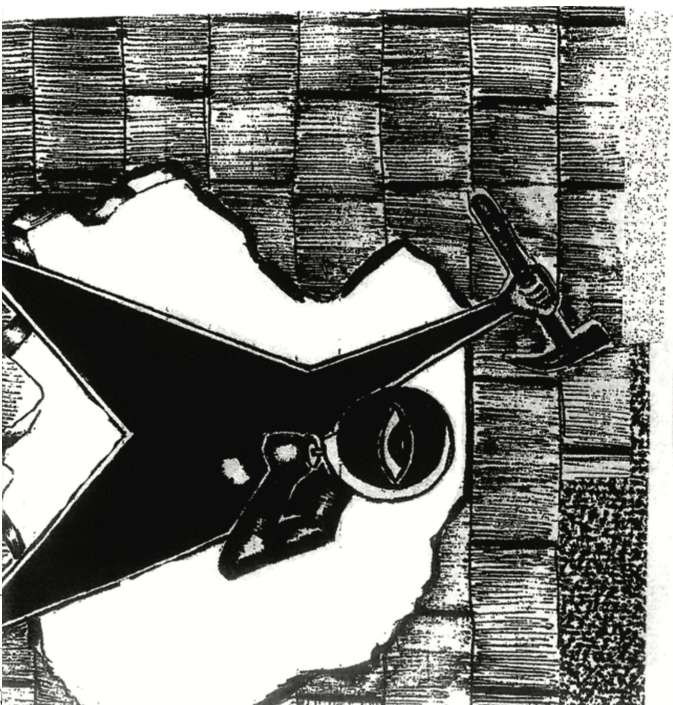


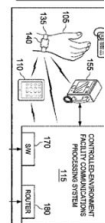
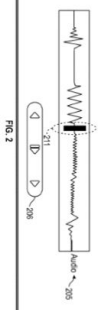
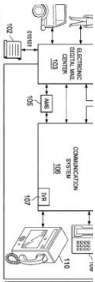
FIG. 2

[illegible]

Circumventing Prison Tech Censorship

Slideshow from a talk given at Hackers On Planet Earth 2024 conference - Jeremy Hammond - Cooper Quintin

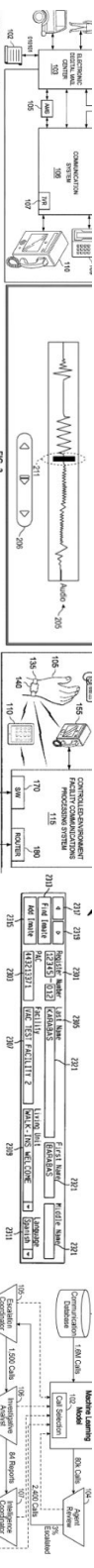




220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	1496	1497	1498	1499	1500	1501	1502	1503	1504	1505	1506	1507	1508	1509	1510	1511	1512	1513	1514	1515	1516	1517	1518	1519	1520	1521	1522	1523	1524	1525	1526	1527	1528	1529	1530	1531	1532	1533	1534	1535	1536	1537	1538	1539	1540	1541	1542	1543	1544	1545	1546	1547	1548	1549	1550	1551	1552	1553	1554	1555	1556	1557	1558	1559	1560	1561	1562	1563	1564	1565	1566	1567	1568	1569	1570	1571	1572	1573	1574	1575	1576	1577	1578	1579	1580	1581	1582	1583	1584	1585	1586	1587	1588	1589	1590	1591	1592	1593	1594	1595	1596	1597	1598	1599	1600	1601	1602	1603	1604	1605	1606	1607	1608	1609	1610	1611	1612	1613	1614	1615	1616	1617	1618	1619	1620	1621	1622	1623	1624	1625	1626	1627	1628	1629	1630	1631	1632	1633	1634	1635	1636	1637	1638	1639	1640	1641	1642	1643	1644	1645	1646	1647	1648	1649	1650	1651	1652
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------



The Revolving Door Gift of “Corrections Technology”

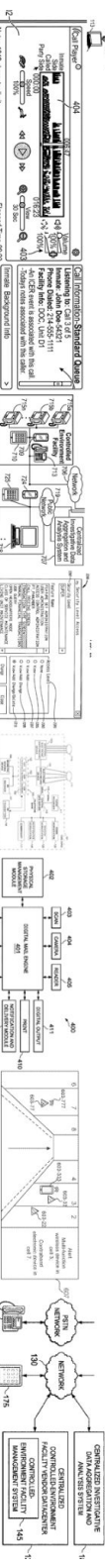


Parasitic Private Prison Profiteers

- Diversifying to provide all platforms & exclusive contracts
- Unaccountable to regulators or transparency laws
- Campaign donations, lobby congress against prison / sentencing reforms
- ~158 prisons, 90k. Shift to Immigrant Detention Centers
- Contractors – food service, healthcare, communications, security, monitoring
- Outsourced prison labor to private companies

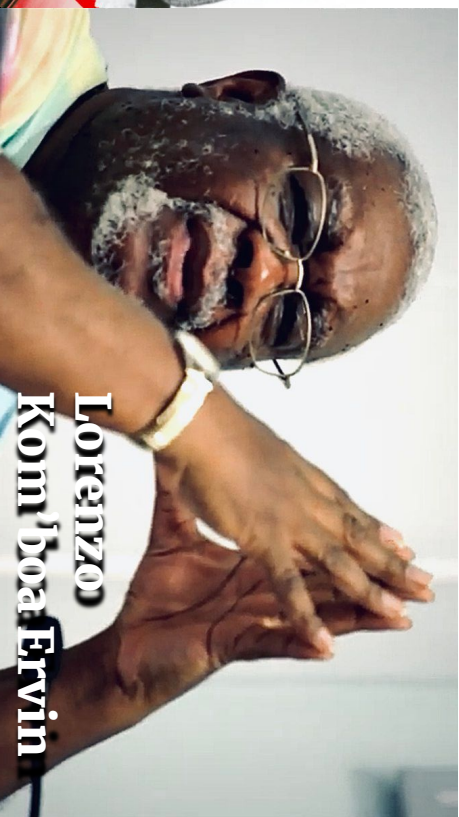


“GEO Uniquely Positioned to Deliver Full Continuum of Care Solutions for Correctional, Detention and Treatment Services”

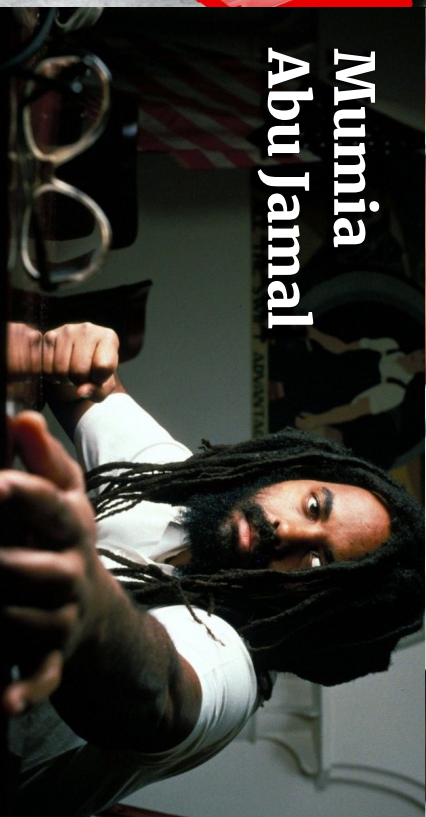




Martin Sostre



**Lorenzo
Kom'boa Ervin**



**Mumia
Abu Jammal**

"Prisons censor the materials we can get as a form of control and punishment to keep us uninformed and ignorant. The less we know, the more they can manipulate us and abuse us." - *Anonymous, Cook County Jail*

"It is a form of control, manipulation, and humiliation. If you're uneducated you cannot fight against them legally, and they can do what they want with you - you don't know any better." - *John Carr, IN*

On Scanned or Copied mail:

"We don't get to have books from the law library. We fill out a form to get a copy of what she wants us to have on whatever we request. So if it's 30 pages, she might give us 5." - *Anonymous, Cook County DOC*

Expected without damage:

"The reading materials on our tablets are from the Mid-50s and back. All outdated materials. GTL is the service provider and it is no good." - *Dennis Rogers, Jr., Pinckneyville IDOC*

"I am an avid reader, so I've had several dozen books and other materials blocked or confiscated. Most recently, I had a graphic novel blocked. I grieved it and won, but never received the book. Deying me my book after the Director approved me to have it felt like they wanted to send me a message, that no matter what, Menard can do as they please, they can break the law and get away with it." - *Anonymous, Menard IDOC*

RETURN CAUSED - HAZARD

"I've filed a grievance for withheld books. Successful NOI Maybe at making investigation & intelligence officers harass me! They never listed a reason. But during multiple interviews, the stories changed from stains, powder substance, not sent from publisher, 'you name it'." - *Anonymous, Indiana State Penitentiary*

"I have not for one simple reason. The spleeniness of the people in our mail room. If you file a grievance against them, it will and does make it harder on you in the future to get mail." - *Anonymous, Miami Correctional Facility, Indiana*

"Censorship policies are vague, not properly applied, or applied by the whim of whoever is looking at the items. There are no proper standards across the board. Education is poor. There are not enough activities to keep busy." - *Anonymous, Cook County Jail*

"All mail is scanned including pictures and greeting cards so you only receive B/W copies. They are never scanned in page order, they are upside down and double sided, you cannot follow what you're reading." -

On Filing Grievances

NO SECURE MAILING TO SEND

"The law library here is terrible! You can only be there 30 minutes. And go once a week by a pass. And a lot of time they are out of toner so you can't make copies." - *Anonymous, Indiana DOC*

"We don't have what society is led to believe we do - reading materials, health care, legal access, and just respect as humans. Jails & prisons get away with lots of misdeeds both illegal & unconstitutional." - *Travis Meyer, USP Marion*

"The censorship is off the chain here at PCF. The mailroom has done just about anything they can to harm me and retaliate against me. Our emails are also monitored and forwarded to Internal Investigations so they can censor them. What are you going to do when the Warden condones the mailroom Chamber's behavior and actions? Just keep fighting them to stop the abuse!" - *Larry Warren, Pendleton Correctional Facility*

"Reading is my method of expanding my knowledge and wisdom in order to grow mentally, emotionally, physically, and spiritually. I also use reading for recreation, a way to relax and escape into another world. I read everyday at various points throughout the day." - *Anonymous, Cook County Jail*

INSURANCE

"Fear. They want to keep us from being educated. It is easier to control the people if they remain uneducated and we all read, write, listen to the same music, watch the same 'programs', wear the same clothes, etc. The most dangerous prisoners are the readers & writers." - *Anonymous, Centralia Illinois DOC*

Why do you think prisons censor? What's their game?

UNKNOWN substance

"I'm writing my 7th chapter of my book, but they won't let me make copies so I can send out." - *Anonymous, Cook County Jail*

Personal Property

"Staff just took everything from my room. All of my books, all of my legal work. I mean all of my property. They claim I have too much even though it was orderly stored." - *Anonymous, USP Marion*

"Their game is to create monopoly, from Securus for kickbacks, to control us, to keep us miserable, to keep us from learning and fighting back the injustice." - *Anonymous, Clements, TDCJ*



MailGuard Processing Center | Seminole, FL

Despite 5 years of mail scanning to keep drugs from Pa. prisons, problems remain

NYC correction officer exposed to fentanyl while inspecting inmate mail: union

By Tina Jordan and Melissa Klein

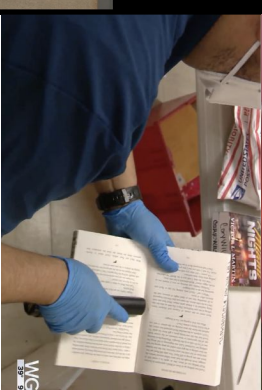
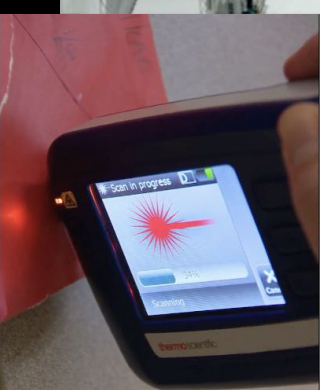
January 21, 2023, 12:24pm | Updated

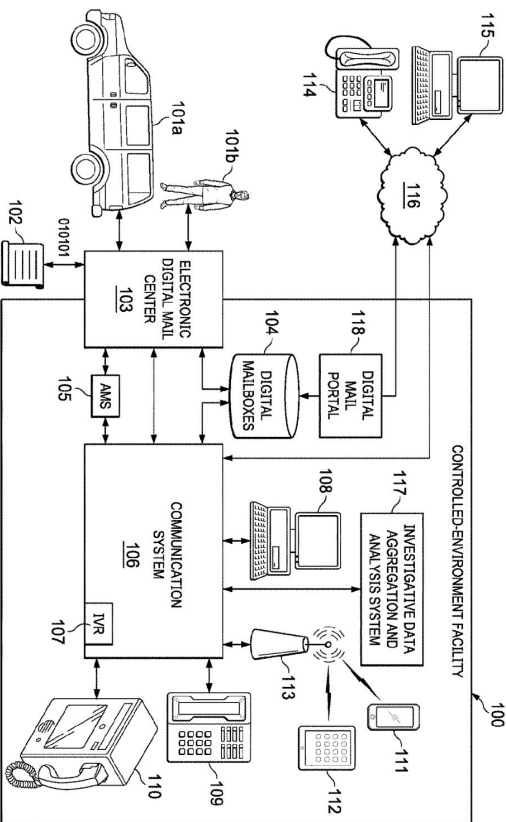
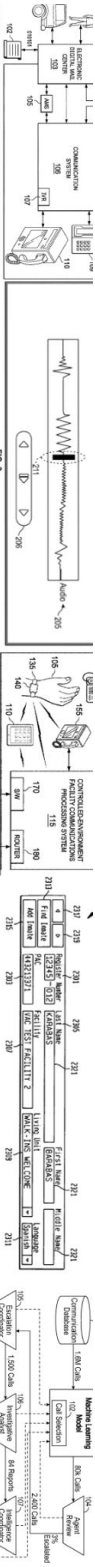


'There should not be a price tag on our life' | USP Thomson staff union renews calls for new mailroom screening protections

According to the staff union, a nurse was handling inmate mail on Thursday when her face and hands started to go numb.

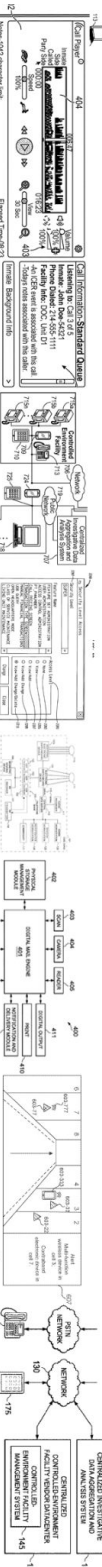
Administrative
United States Penitentiary

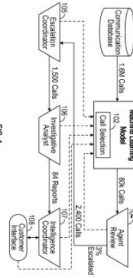
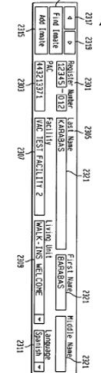
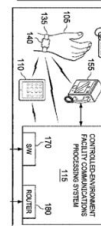
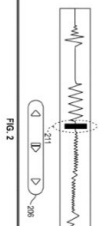
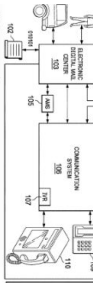




Jon Logan, CEO Smart Communications

“Grab the world by the pussy”. \$500k PPP loans. Tried to patent ‘mail elimination services’ and sued dozens of jails and competitors

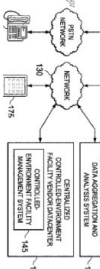
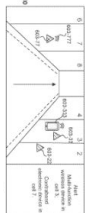
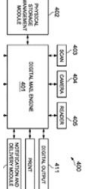
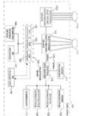
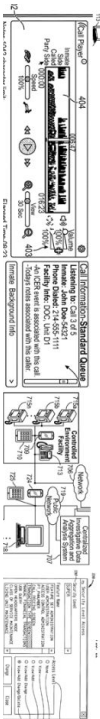
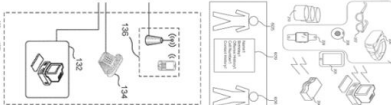
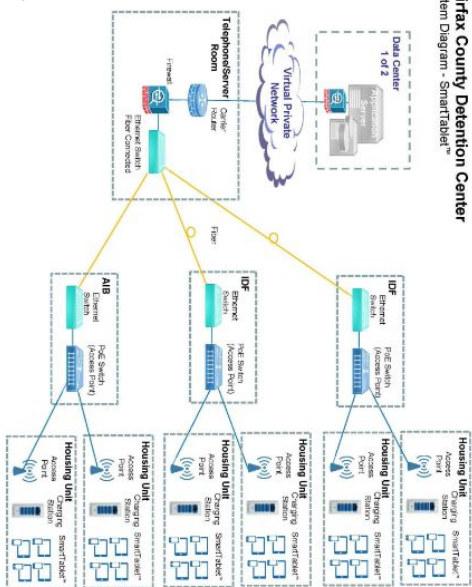


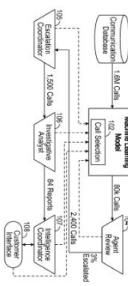
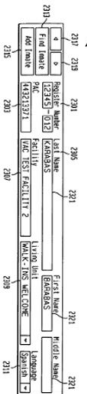
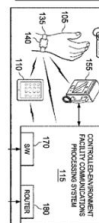
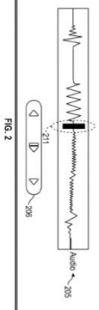
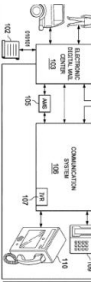


Tablets

- Fully Enshittified
- Replacing visits with costly glitchy videos
- Replacing physical mail with poor scans
- Replaces libraries
- Mass Surveillance
- Text 'emails'
- Additional Restrictions May Apply

Fairfax County Detention Center
System Diagram - SmartTablet™





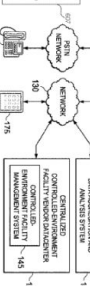
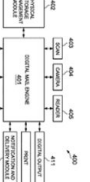
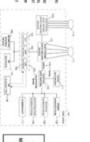
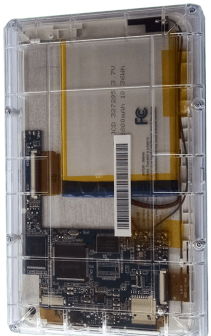
Keefe / ATG: Bureau of Prisons



Securus / JPAY Georgia, Kentucky, Missouri, Virginia, New Jersey



Viapath / GTL South Dakota, California, Ohio, Vermont, Illinois



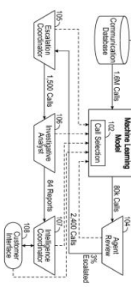
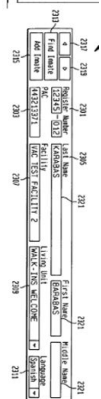
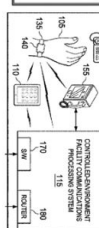
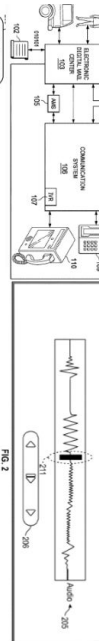
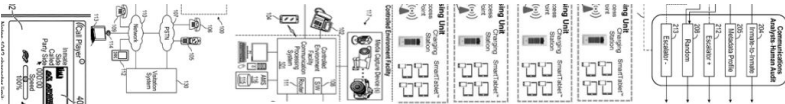


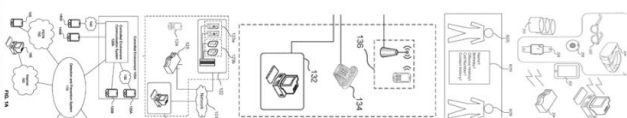
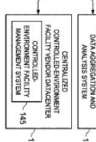
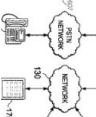
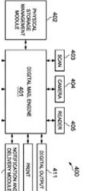
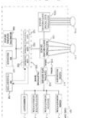
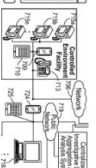
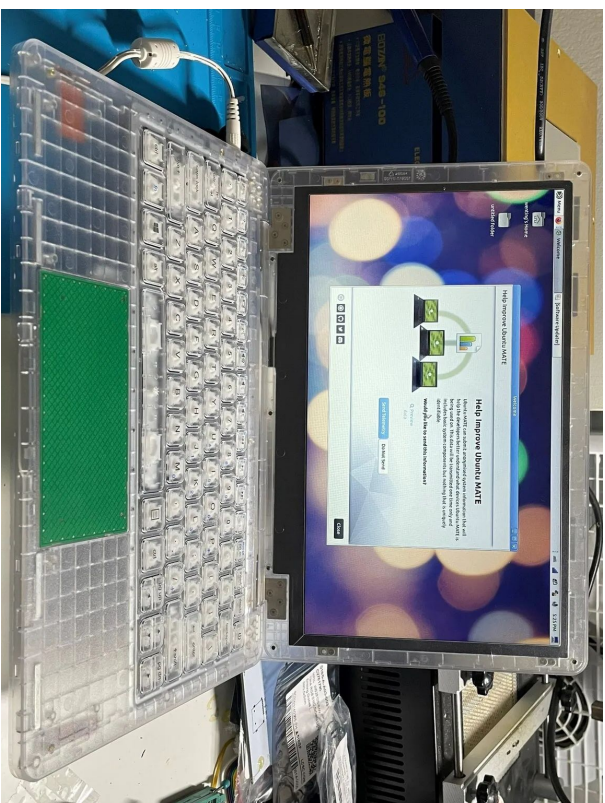
FIG. 1

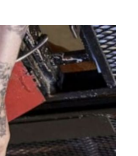
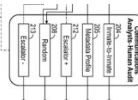
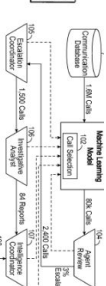
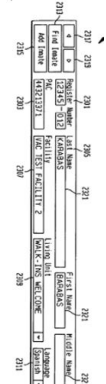
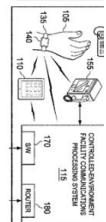
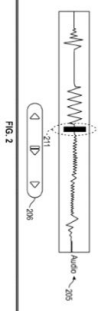
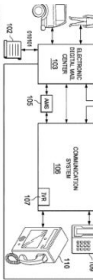


**Justice Tech
Solutions
Securebook 5**

CADOD removed thousands of laptops from prison classrooms after someone revealed a jailbreak technique likely impossible from prison

(Keep it priv8!)

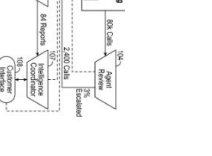
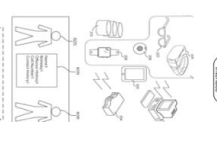
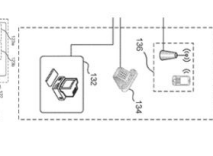
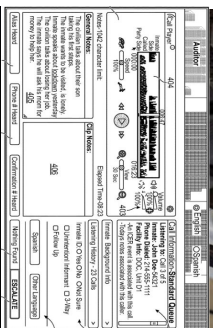
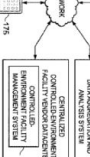
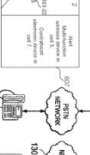
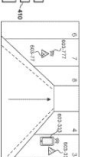
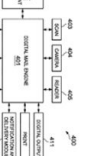
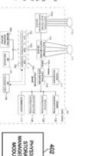
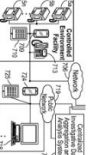
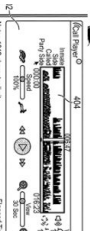




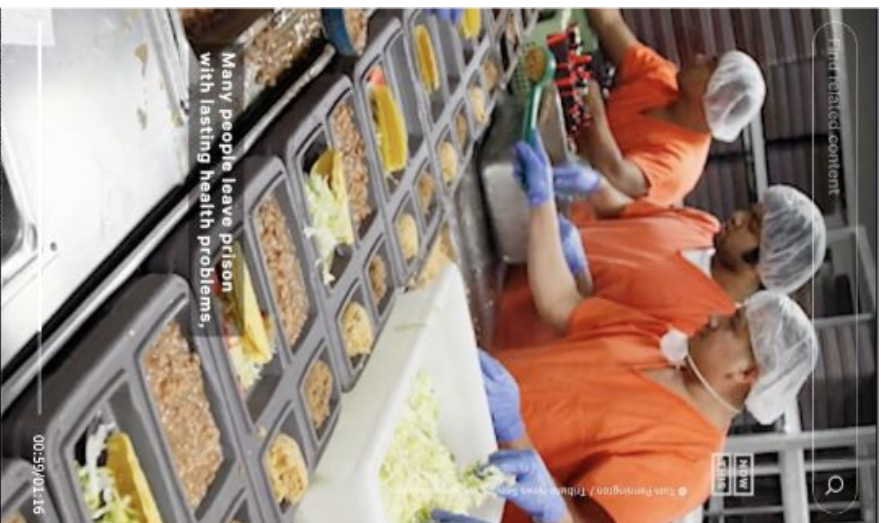
- All communications filtered through monitored and monetized monopolies. Kickbacks schemes, FCC
- Using Amazon AWS transcribe and feed calls through AI to profile prisoners and protect administrators
- Spying on free world contacts
- Blanket ban on all smartphones



Scott Kernan, CEO LEO Technologies, board member of GEO Group, ex undersecretary for California CDCR.



Find related content

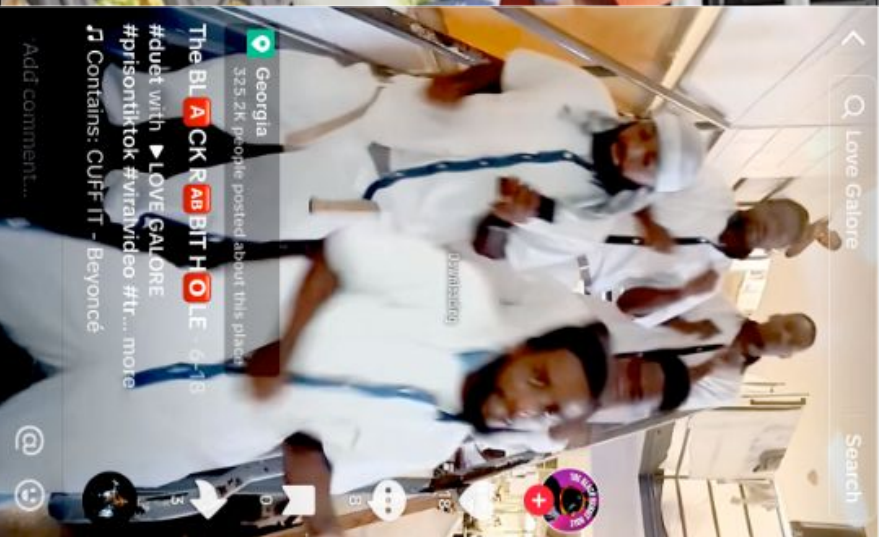


Many people leave prison
with lasting health problems.

00:59/01:16

Love Galore

Search



Georgia

325.2K people posted about this place

The BL **A** CK R **AB** BIT H **OLE** - 6-18

#duet with **LOVE GALORE**

#prisontiktok #viramdeo #tr... more

Contains: CUFF IT - Beyoncé

Add comment...



Find related content



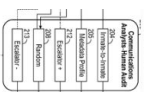
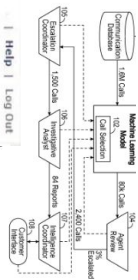
Inmates Food 🤢

Vs

Police food 🍔

00:06/00:32





SECURUS

Secure Call Platform

On Demand Location Services

PLEASE ENTER THE REQUIRED DETAILS (* indicates Required Fields)

* **File Name:** **Browse...**

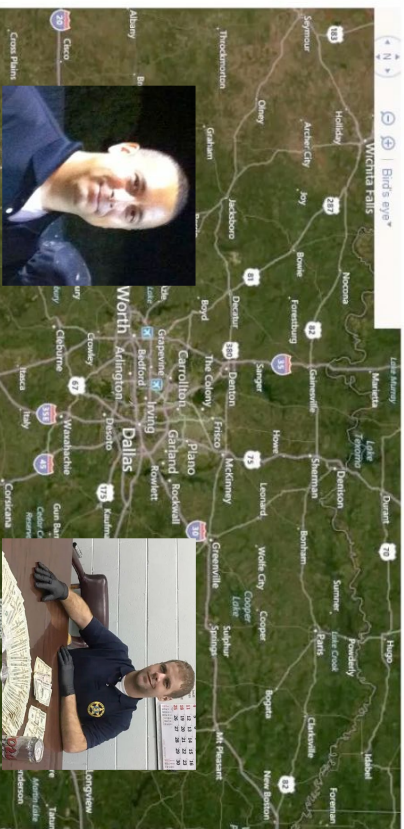
* **Phone Number:** Example: 2145556666

* **Received Authorization:** LBS CONSENT - DEFAULT CONSENT DESC - (en) by checking the box, I hereby certify that attached document is an official document giving permission to look up the station on the phone number requested.

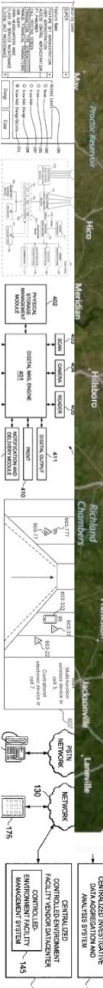
Click to Certify: ☐

Get Location

This Securus tool lets guards access GPS data from brokers LocationSmart and 3Cinteractive. Court order required but never verified



Facility Routing Number: 99001



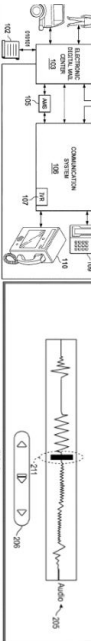


FIG. 2

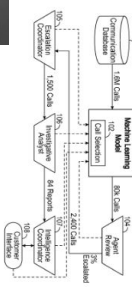
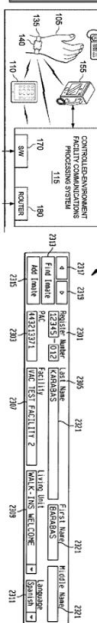


FIG. 1

Anti drone tech
Cell disruption tools
Social media bans
BOP: CMU, SAMS

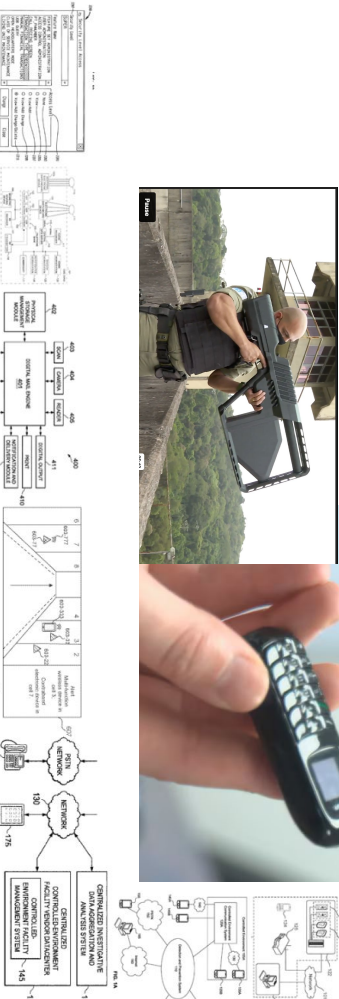
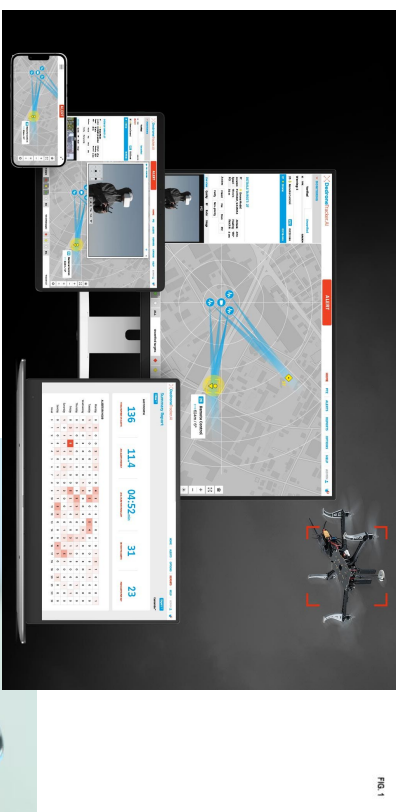


FIG. 1A

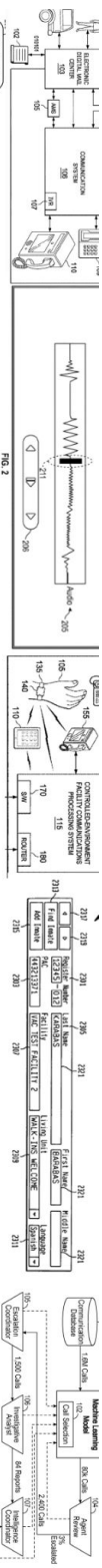
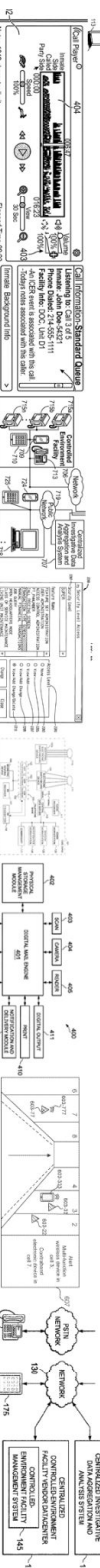
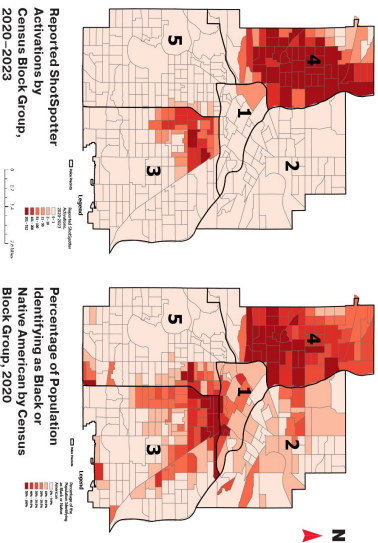
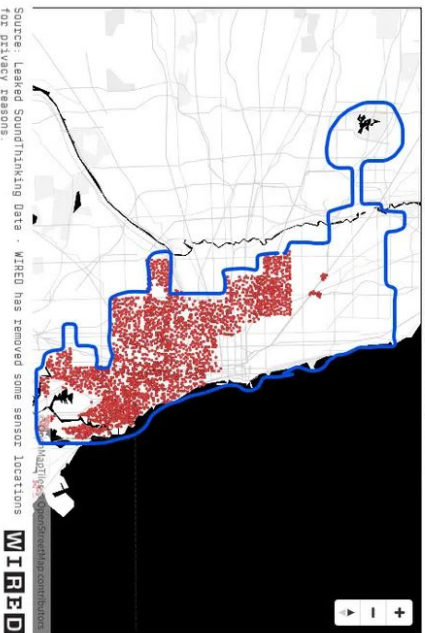


FIG. 2

Out Here in Minimum Security

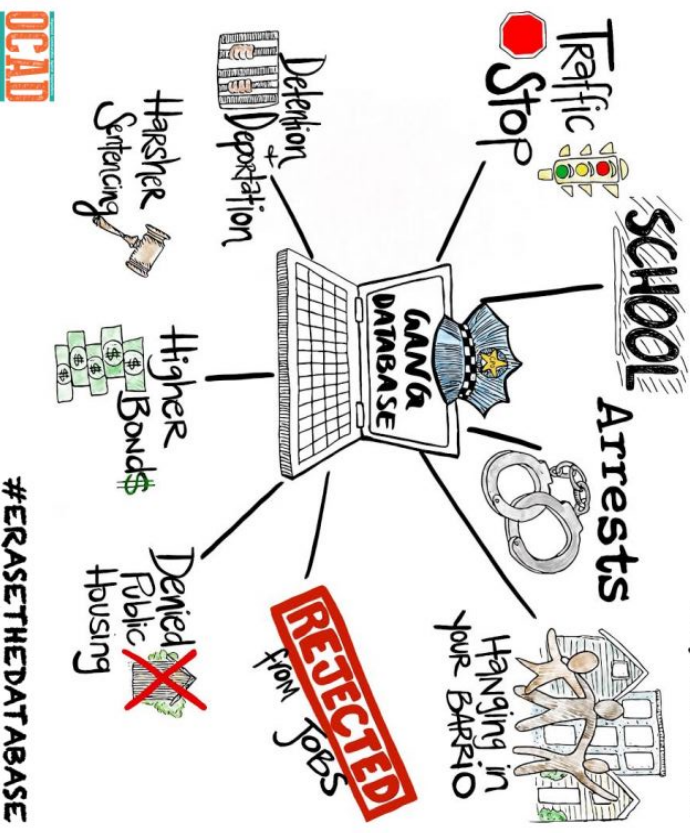
- AI facial recognition integrations
- (Trapwire, Clearview, Ring, Nest)
- Pretrial / parole supervision monitoring
- Automatic License Plate readers
- Social media monitoring / predictive policing
- ShotSpotter / Gunshot detection
- Gang / Terrorist / Security Threat Group DBs
- Data brokers, Geofencing, Stingray
- “Smart” Borders

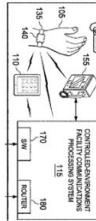
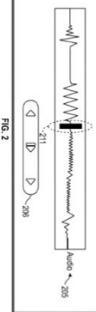
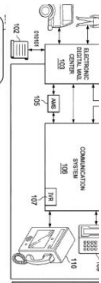




THE TRUE INPUT AND OUTPUT OF CHICAGO'S GANG DATABASE

Art by Barbara Galeano





210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	1496	1497	1498	1499	1500	1501	1502	1503	1504	1505	1506	1507	1508	1509	1510	1511	1512	1513	1514	1515	1516	1517	1518	1519	1520	1521	1522	1523	1524	1525	1526	1527	1528	1529	1530	1531	1532	1533	1534	1535	1536	1537	1538	1539	1540	1541	1542	1543	1544	1545	1546	1547	1548	1549	1550	1551	1552	1553	1554	1555	1556	1557	1558	1559	1560	1561	1562	1563	1564	1565	1566	1567	1568	1569	1570	1571	1572	1573	1574	1575	1576	1577	1578	1579	1580	1581	1582	1583	1584	1585	1586	1587	1588	1589	1590	1591	1592	1593	1594	1595	1596	1597	1598	1599	1600	1601	1602	1603	1604	1605	1606	1607	1608	1609	1610	1611	1612	1613	1614	1615	1616	1617	1618	1619	1620	1621	1622	1623	1624	1625	1626	1627	1628	1629	1630	1631	1632	1633	1634	1635	1636	1637	1638	1639	1640	1641	1642	1643	1644	1645	1646	1647</
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	--------

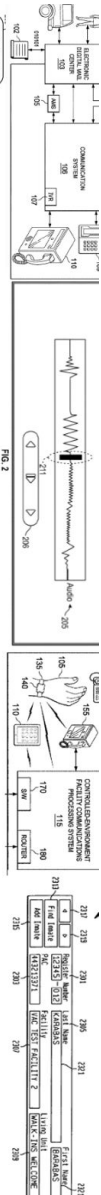
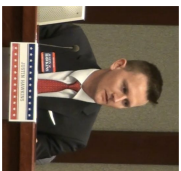


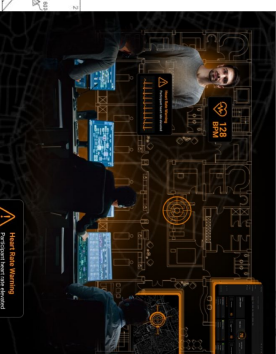
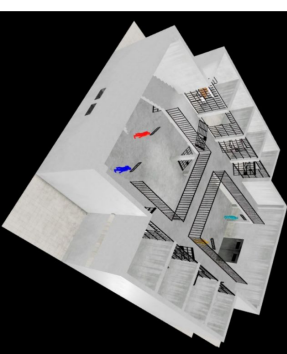
FIG. 2

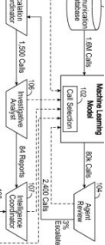
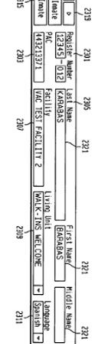
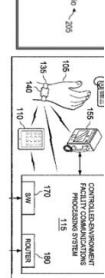
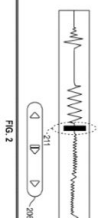
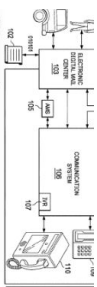
Talitrix Turning Atlanta into a Prison

- Major Cop City / Atlanta Police Foundation financier
- Fulton County Jail - smart bands report biometrics and location data
- Contacts for “repeat offenders” to wear same bands, “Talitrix Score” algo determines violations. 95% black
- Integrated into Fusus AI camera network for real time tracking



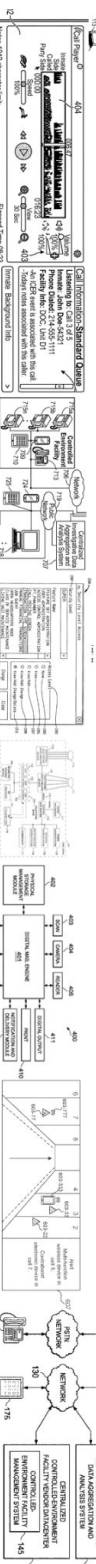
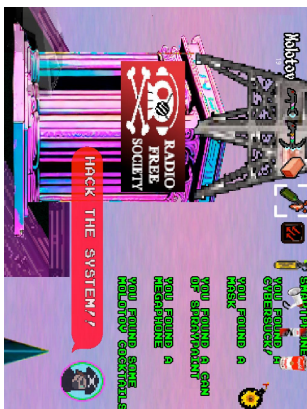
“We envision a future where technology and ethics go hand in hand, creating a safer, more just society for all” – Justin Hawkins, CEO





Solidarity: Bridges Not Walls

- Build relationships, amplify suppressed voices - letters, zines, radio
- Legal challenges, RFC, town halls, legislation
- Phone zaps, protests. Answer the call.
- Support Political Prisoners
- Review, parse, publish critical journalism on FOIA/leaked data, and send your own FOIAs
- Books to Prisoners, Anarchist Black Cross, Prison Banned Book Week
- Solidarity means attack



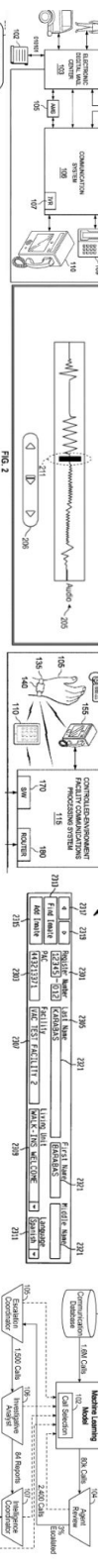
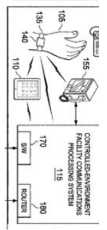


FIG. 2



217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	1496	1497	1498	1499	1500	1501	1502	1503	1504	1505	1506	1507	1508	1509	1510	1511	1512	1513	1514	1515	1516	1517	1518	1519	1520	1521	1522	1523	1524	1525	1526	1527	1528	1529	1530	1531	1532	1533	1534	1535	1536	1537	1538	1539	1540	1541	1542	1543	1544	1545	1546	1547	1548	1549	1550	1551	1552	1553	1554	1555	1556	1557	1558	1559	1560	1561	1562	1563	1564	1565	1566	1567	1568	1569	1570	1571	1572	1573	1574	1575	1576	1577	1578	1579	1580	1581	1582	1583	1584	1585	1586	1587	1588	1589	1590	1591	1592	1593	1594	1595	1596	1597	1598	1599	1600	1601	1602	1603	1604	1605	1606	1607	1608	1609	1610	1611	1612	1613	1614	1615	1616	1617	1618	1619	1620	1621	1622	1623	1624	1625	1626	1627	1628	1629	1630	1631	1632	1633	1634	1635	1636	1637	1638	1639	1640	1641	1642	1643	1644	1645	1646	1647	1648	1649	1650	1651	1652	1653	1654	1655	1656	1657	1658	1659	1660	1661	1662	1663	1664	1665	1666	1667	1668	1669	1670	167
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	-----

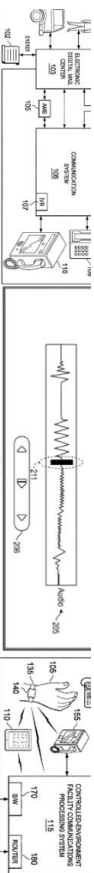
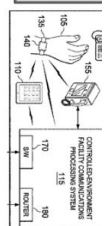
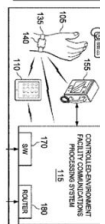
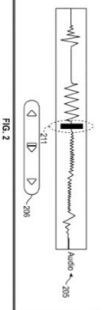
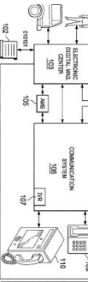


FIG. 2



220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	1496	1497	1498	1499	1500	1501	1502	1503	1504	1505	1506	1507	1508	1509	1510	1511	1512	1513	1514	1515	1516	1517	1518	1519	1520	1521	1522	1523	1524	1525	1526	1527	1528	1529	1530	1531	1532	1533	1534	1535	1536	1537	1538	1539	1540	1541	1542	1543	1544	1545	1546	1547	1548	1549	1550	1551	1552	1553	1554	1555	1556	1557	1558	1559	1560	1561	1562	1563	1564	1565	1566	1567	1568	1569	1570	1571	1572	1573	1574	1575	1576	1577	1578	1579	1580	1581	1582	1583	1584	1585	1586	1587	1588	1589	1590	1591	1592	1593	1594	1595	1596	1597	1598	1599	1600	1601	1602	1603	1604	1605	1606	1607	1608	1609	1610	1611	1612	1613	1614	1615	1616	1617	1618	1619	1620	1621	1622	1623	1624	1625	1626	1627	1628	1629	1630	1631	1632	1633	1634	1635	1636	1637	1638	1639	1640	1641	1642	1643	1644	1645	1646	1647	1648	1649	1650	1651	1652	1653	1654	1655
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------



220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	1496	1497	1498	1499	1500	1501	1502	1503	1504	1505	1506	1507	1508	1509	1510	1511	1512	1513	1514	1515	1516	1517	1518	1519	1520	1521	1522	1523	1524	1525	1526	1527	1528	1529	1530	1531	1532	1533	1534	1535	1536	1537	1538	1539	1540	1541	1542	1543	1544	1545	1546	1547	1548	1549	1550	1551	1552	1553	1554	1555	1556	1557	1558	1559	1560	1561	1562	1563	1564	1565	1566	1567	1568	1569	1570	1571	1572	1573	1574	1575	1576	1577	1578	1579	1580	1581	1582	1583	1584	1585	1586	1587	1588	1589	1590	1591	1592	1593	1594	1595	1596	1597	1598	1599	1600	1601	1602	1603	1604	1605	1606	1607	1608	1609	1610	1611	1612	1613	1614	1615	1616	1617	1618	1619	1620	1621	1622	1623	1624	1625	1626	1627	1628	1629	1630	1631	1632	1633	1634	1635	1636	1637	1638	1639	1640	1641	1642	1643	1644	1645	1646	1647	1648	1649	1650	1651	1652	1653	1654	16
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	----

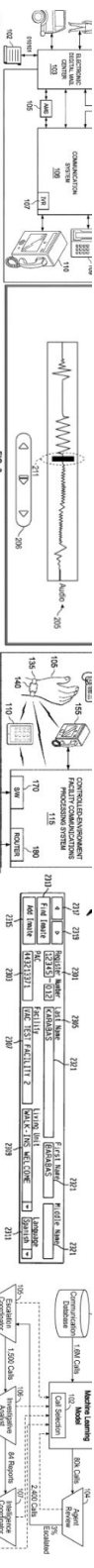
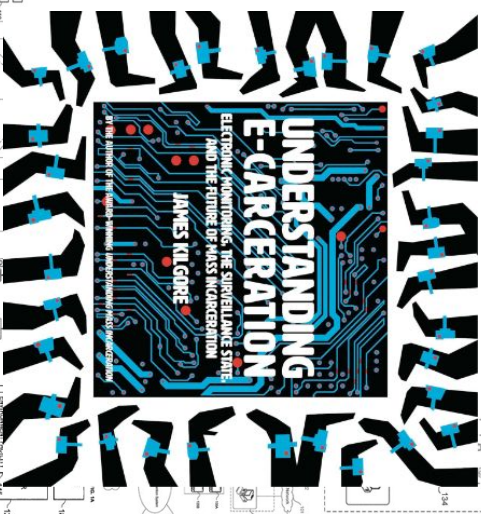
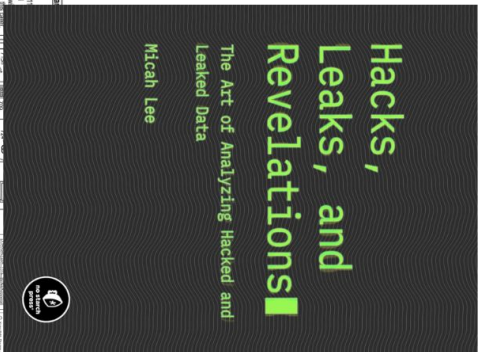
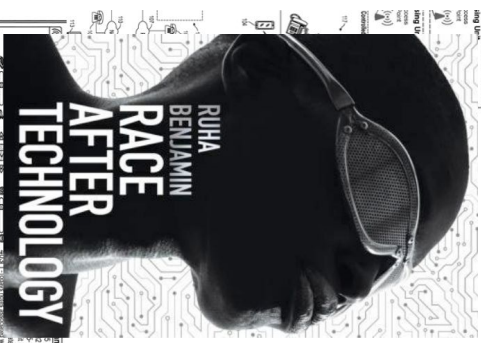


FIG. 2

FIG. 1

Read these books for more on carceral tech



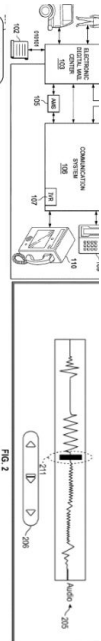


FIG. 2

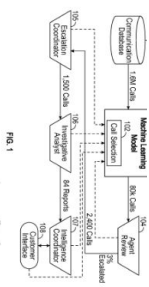
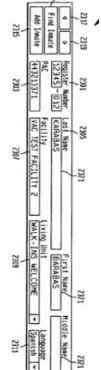
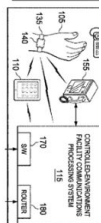


FIG. 1

Resources

American Library Association's 1992 Library Standards for Adult Correctional Institutions (update in development)

<https://www.ala.org/asgcl/resources/librarystandards>

PEN America's Best Practices for E-reader Tablets in Carceral Institutions

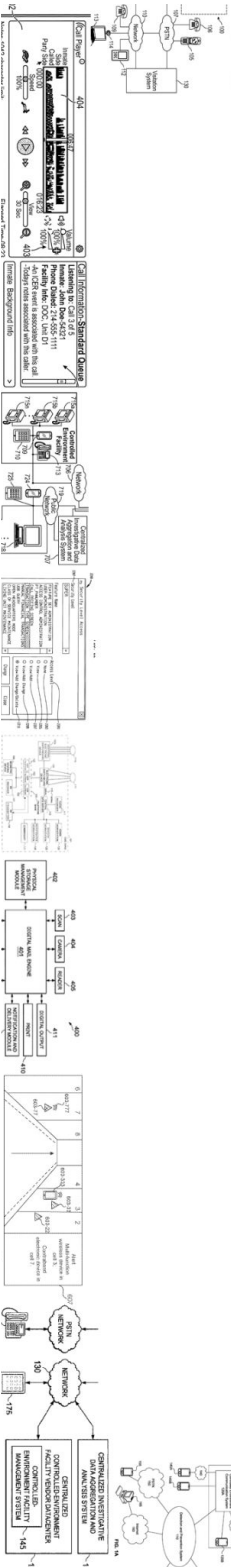
<https://pen.org/best-practices-for-e-reader-tablets-in-carceral-institutions/>

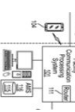
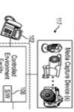
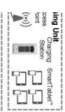
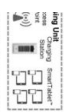
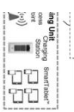
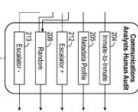
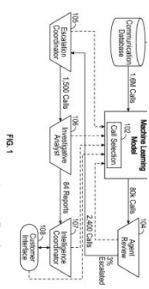
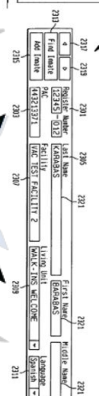
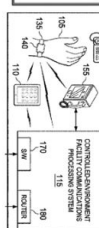
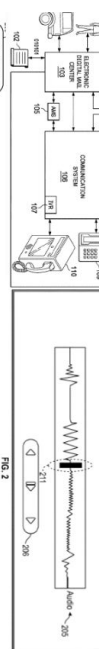
US Marshal's "Federal Performance Based Detention Standards"

<https://www.usmarshals.gov/resources/guideline/federal-performance-based-detention-standards>

The Nelson Mandela Rules: UN Standard Minimum Rules for the Treatment of Prisoners

https://www.un.org/en/events/mandeladay/mandela_rules.shtml





Slideshow from a talk given at Hackers On Planet Earth 2024

Download slideshow: <https://bit.ly/HopeXVPisonTech>

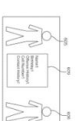
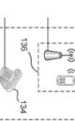
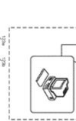
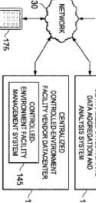
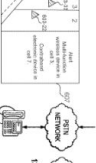
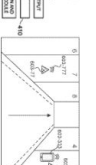
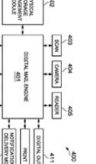
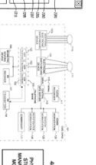
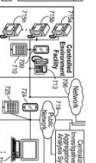
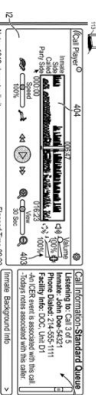


FIG. 1

This Technology Was Supposed to Help People in Prison. It's Backfiring in a Big Way.

By [Moirá Marquis](#)

Sept 17, 2024 10:00 AM



Censorship is legal in prison. Photo illustration by Slate. Photos by Getty Images Plus and Amazon.

This article is part of [Prison Banned Books Week](#), a campaign that aims to raise awareness of prison censorship.

When tablets were first introduced in correctional facilities over a decade ago, incarcerated people were promised a bounty of content and features, including educational materials, music and movies, games, and e-books. Since then, there have been countless reports about the predatory telecom companies behind these devices. [New data](#), based on responses to Freedom of Information Act requests, reveals that in 47 out of 52 U.S. carceral jurisdictions, tablets are also a major contributor to prison censorship in America.

Prisons already censor more than any other public institution. In fact, single-state prison systems ([Florida, Texas, New York, and Virginia](#)) censor more titles than [all schools and libraries](#) in the country combined. It's difficult to imagine how prison censorship could get more extreme, and yet tablets are limiting what people can read in myriad ways.

Consider the prison telecom JPay advertising [30,000 free titles](#) on its tablets: [FOIA requests](#) revealed that all these books have been taken from the repository of lapsed copyright titles and Project Gutenberg and are [over 95 years old](#). Titles such as *A Concise Anglo-Saxon Dictionary for the Use of Students*, published in 1894, *The Ruined Cities of Zululand*, published in 1869, and *The Euahlayi Tribe: A Study of Aboriginal Life in Australia*, published in 1905, are representative of the selection.

There are many older works that are worth reading, of course, and Shakespeare, *Ulysses*, *Anna Karenina*, *Frankenstein*, and *Mrs Dalloway* can all be found on Project Gutenberg. But these gems are few and far between. Shawn Younker, incarcerated in Pennsylvania, writes, "We might as well be rummaging the dusty old leftovers in some thrift store or back alley dumpster." Indeed, marketing the figure of "30,000" is particularly pernicious when you realize that you could scan through this list of titles for hours and find only a handful of things you'd actually want to read.

As bad as this is, there's an even worse consequence of the "thousands of titles" rhetoric. Prison officials often say that because there is such a plethora of reading material available on tablets, incarcerated people no longer need access to paper literature. Missouri's Department of Corrections is exemplary. It implemented a [draconian censorship policy in September 2023](#)—the strictest such policy in the United States. People incarcerated in Missouri cannot receive books as gifts or any free reading material. Instead, books can be purchased only through a person's prison caseworker, paid for directly from the person's prison's bank account—which charges extensive fees—and from a highly limited number of "approved vendors."

Censorship is legal in prisons, but it has to conform to [certain criteria](#), one of which is that the bans have to enable some way for incarcerated people and booksellers to exercise the right to free expression. So, the banning of some books is fine, but the banning of all books is not. By pointing to the tablets, prison officials are effectively telling the courts that they can stop allowing paper literature into prisons.

For the past 17 years, I have read letters from incarcerated people asking for reading material through several different [prison book programs](#). People inside are hungry for reading material of all kinds, but especially educational materials. The most frequently requested book is the humble dictionary. Prison book

programs have to fundraise and beg for dictionaries. They fly off the shelves faster than they can be stocked. Nearly every request—and the 40-plus prison book programs around the country get hundreds to thousands a month—includes a dictionary.

Dictionaries are so requested because people teach themselves how to read or read better by using them. Most incarcerated people have not been well served by public education. In the last major study conducted by the [National Center for Education Statistics](#), in 2003, 60 percent of incarcerated people were found to be functionally phonemically illiterate—that is, although they could pronounce written words, they could not parse meaning from texts written above a fourth-grade level. Malcolm X famously says in his autobiography that he taught himself to read from the dictionary while incarcerated. It's got to be a laborious way to acquire this skill, but it speaks to the dedication many incarcerated people have—a commitment that is thwarted by censorship policies.

Another barrier is cost. For example, Keefe Group subsidiary Advanced Technologies Group has a contract with the Federal Bureau of Prisons that is over \$76 million. This eye-wateringly large contract does not, however, offer people in federal prison anything for free. People in federal prisons pay for access to each book, magazine, and video on their tablets. Georgia and Michigan charge 99 cents per e-book. New Mexico and South Carolina charge people 5 cents and 1 penny per minute for reading, respectively.

Cost barriers are censorship. The prison wage in [14 states is 25 cents](#) an hour. A functionally illiterate person trying to teach themselves to read on their prison tablet in New Mexico would have to pay around \$35 for a short (50,000-word) book because they are charged 5 cents a minute. People incarcerated in New Mexico make 10 cents an hour, so that person would have to labor for an unfathomable 357 hours to be able to read this one book.

Where does all this money go? It gets divided between states and the telecom companies. For example, Georgia receives an average *monthly* revenue of \$432,243.80 from tablet services in 2020 [through their contract](#) with Securus/JPay. This revenue share is for all media—not just books—but illustrates the extreme financial incentive prisons have to participate with prison telecom companies in this fleecing of incarcerated people. For the 2022–26 contract, Georgia's "Estimated Value (Revenue Share)" is over \$9.6 million. Michigan receives \$10 from the sale of each tablet and 10 percent of all e-book, music, game, and movie sales from [its contract](#) with JPay. [Pennsylvania's contract](#) for \$50 million with GTL includes a 22.5 percent kickback from the sale of music, e-messaging, games, e-books, and deposits into people's prison bank accounts—called commissaries. Pennsylvania can make up to \$4.35 million a year off these sales.

Carceral administrators claim that tablets were introduced not solely to make money. Instead, [prison officials say](#), tablets are a “safer” option because paper mail is the primary conduit for contraband into prison.

Prisons and jails also claim that liquid drugs, especially synthetic cannabinoids and fentanyl, are being sprayed on books and other literature mailed to incarcerated people. Concern about drugs in prisons is not unfounded, but the belief that mail is the main vehicle for sneaking drugs into prison is largely unsupported by available evidence. Florida stopped all paper mail going into prisons by citing [35,000 contraband items](#) found in paper mail between January 2019 and April 2021. Although this may sound like a lot, it represents only 1.7 percent of the nearly 2.1 million contraband items found in the prison system during the same period.

Prison policies have [extensive censorship criteria](#), and mailroom staff must individually scan each letter, book, and magazine that enters a prison—flipping through the entire reading content—to determine if it violates the censorship policy. Pennsylvania set up an [entire processing center](#) where all books have to be mailed and where staff go through rigorous examination of all materials before it is allowed to be passed along to the intended recipient. The people that work there spend all day inspecting spines and scanning content. Christopher, incarcerated in Pennsylvania, says, “The entire process may take up to three, four months, with no explanation for the delay.” Sometimes it’s much longer. For example, he ordered a photo book, which took over a year to be processed—likely because images are heavily censored.

In recent years, prisons have struggled to [hire and retain](#) enough staff to ensure they function, and mailrooms are no exception. This may contribute to some attempts to limit the volume of mail coming into facilities in the first place—including the emphasis on tablets as alternatives to paper literature. Tablets could be an amazing resource. A tablet can hold far more books than any individual cell or prison library, and tablet users can watch videos, stream music, and stay in touch with loved ones with electronic messaging and phone calls.

As they currently exist, though, prison tablets are a clear representation of how prisons censor—limiting content in myriad ways and allowing access only through high costs.

Prison Banned Books Week: Books give incarcerated people access to the world, but tablets are often used to wall them off

Instead of taking advantage of their possibilities, the companies that got rich off prison phone calls offer limited book selections on tablets, as part of their continued efforts to sap money from incarcerated people and their families.

by [Mike Wessler](#) and [Juliana Luna](#), September 16, 2024

Books have long served as a bridge to the outside world for incarcerated people. They allow people cut off from their normal lives — and often [from their families](#) — to engage with thinking and ideas that can open their mind and stories that transport them anywhere on earth and beyond. But carceral authorities have also always restricted access to books, and reading behind bars has only become harder in recent years.

This year's [Prison Banned Books Week](#) highlights the role tablets are ironically playing in further restricting incarcerated people's access to reading materials. To better understand these changes, we looked at data collected by the Prison Banned Books Week campaign on prison book bans, policies around books, and the availability of ebooks on tablet computers.

What we found is that tablets limit access to important modern writing and knowledge behind bars.

Tablets are nearly everywhere

When we last looked at the availability of prison tablets in 2019, they were relatively new and rare behind bars. [Only 12 states had them](#). Since then, the technology has quickly spread. Today, at least 48 prison systems indicate they have tablets or, as in the case of Alaska and Nevada, are in the process of implementing tablets.

The two companies providing tablets to the most state prisons are Securus/JPay and ViaPath/GTL. Perhaps this should come as no surprise since these two companies have long been the largest providers of telecommunication services for incarcerated people. They control roughly 80% of both the [phone](#) and [e-messaging](#) markets behind bars.

Importantly, these companies have shifted their focus to tablets as the prison and jail voice and video calling market has come under [increasing scrutiny and regulation](#). Tablets behind bars have not undergone the same oversight, leaving companies like these free to

use the devices to continue squeezing money from incarcerated people and their families for services like [e-messaging](#), [digitized mail](#), and [music streaming](#).

Physical books are increasingly rare behind bars

The rapid expansion of tablets behind bars has occurred at a time when access to physical books in prisons has become increasingly rare.

Books have always been hard to come by behind bars. While it is true that most prisons technically have libraries, they are often [under-resourced, strictly regulated, and have limited and outdated selections of books](#) making them unreliable for accessing books and information. And increasingly [frequent lockdowns](#) often keep them entirely out of reach.

This situation has become even more dire in recent years as more states have implemented [content-neutral book bans](#) that restrict families and friends from sending books directly to their incarcerated loved ones. These policies mandate that books sent to people in prison can only come from a limited selection of approved vendors. This means that friends, family, churches, libraries, nonprofit organizations, and others who want to send books directly to people in prison can no longer do so. Instead, they must purchase titles from the vendor hand-picked by the prison and have that vendor send the books directly to the facility. A 2023 study by PEN America found [84% of prison mailrooms they surveyed](#) had implemented these sorts of bans, even when it was not the statewide policy.

Of course, even facilities that still allow people to send books to their incarcerated loved ones dramatically restrict what they can read. A 2023 review by the Marshall Project found that [state prisons explicitly ban over 50,000 books](#). However, that only tells a part of the story. At least [23 states, along with Washington, D.C. and the Federal Bureau of Prisons](#), do not have written lists of explicitly banned books but instead say they evaluate books on a case-by-case basis, providing mailroom staff with immense discretion to implement already vague rules, with little oversight.

It will come as little surprise that one of the most frequently cited reasons for a prison to ban a book is “[security](#).” However, it is clear this reasoning is applied indiscriminately and often in situations where no reasonable security threat exists. For example, in 2022, [Texas prisons banned](#) the second edition of Merriam-Webster’s Visual Dictionary on security grounds because it contained a picture of a gun. And it would likely surprise many that the [most banned book in American prisons is a cookbook](#). *Prison Ramen* details how incarcerated people can use ingredients often sold at commissaries to add flavor to ramen (another common item in prison commissaries). Perhaps prison authorities worry that the book’s recipe for “Shawshank Spread” might serve as inspiration for people behind bars. And of course, it goes without saying that there is little to no evidence that any of these books explicitly banned in prisons have ever led to any actual security incident.

Tablets aren’t filling the gap

Prisons [often claim](#) that the addition of tablets behind bars will increase access to books, despite other book bans they have implemented. Unfortunately, though, because of limited and outdated ebook selections, tablets are not living up to their potential and likely aren’t even filling the emerging book-gap.

The companies behind these tablets often boast that they offer access to tens of thousands of free books, which sounds quite impressive until you examine their offerings more

closely. For example, none of the best-selling [books released since the year 2000](#) are available on [Securus/iPay tablets in Georgia](#). It is hard to imagine that prisons can attribute this to security concerns since many Harry Potter books — which are considered a rite of passage for many young readers — and *The Purpose Driven Life* — a bible study book written by Pastor Rick Wilson — are among those best-sellers that are not available.

Instead, most of the books that are available on tablets come from [Project Gutenberg](#), a collection of free ebooks. Importantly, these books are free because their copyright expired when they reached 100 years old.

Undoubtedly, this collection includes some important classic books. However, their age — and the companies' decisions not to offer newer books — creates some significant problems. For example, you likely won't find books by author and civil rights activist James Baldwin on these tablets. However, you'll likely find *Yankee Girls in Zulu Land*, a book that is over 130 years old and is known for its racist ideas and sentiments.

Additionally, not all tablets even offer ebooks. Michigan's tablets have no reading material and the state has a statewide approved vendor policy that limits incarcerated people's book purchases to [four booksellers](#), making reading costly and inaccessible in Michigan prisons.

Making tablets work for incarcerated readers

Prison tablets are not inherently bad, but the ways that facilities and companies have implemented them are. Tablets can and should provide new opportunities for incarcerated people to engage with high-quality books and other content in ways that don't sap them of what little money they have.

The single most important step that prisons can take to make tablets work in the best interest of incarcerated readers is by forcing the companies to offer other apps that give incarcerated people access to the catalogs at their local libraries. Apps like [Hoopla](#) offer free access to selected ebooks, audiobooks, movies, and more from local libraries. Communities are already paying to provide access to these materials to people outside of the prison walls, it only makes sense to expand that access to people locked up in prisons, too.

The companies behind these tablets will certainly resist this effort because it would likely cut into their bottom line. Their track record shows that profit, not the well-being of incarcerated people, is their driving force. However, prison officials have the upper hand in contract negotiations. If a few states band together to demand access to materials from the local library on tablets, the companies would be forced to respond or else risk devastating revenue losses.

Of course, prisons all too often [collude with telecom providers](#) to make money by squeezing incarcerated people for goods and services they can't refuse. But even if prisons aren't moved by a desire to help the people in their care, state lawmakers should pay attention to prisons' policies around reading. We know that when people who are incarcerated stay connected to the outside world, it improves their mental and physical well-being and prepares them for their release. States should do more to ensure that tablets are operating in the best interest of the people who use them.

Footnotes

1. It is important to note that this analysis only looks at prison policies, and does not look at local jails. Jails generally have fewer resources and offer fewer services to incarcerated people, so it is reasonable to assume that the issues raised in this briefing are likely even worse in local jails. ↩
2. Louisiana, Mississippi, Utah, and Oregon did not respond to FOIA requests for information about tablets inside their facilities. ↩
3. It is worth noting that tablet companies [initially charged incarcerated people to access these free books](#). After public pressure, they ultimately made these books free, however the incident exemplifies the ways these companies attempt to unfairly extract money from incarcerated people and their families. ↩

Mike Wessler is Communications Director at the Prison Policy Initiative. ([Other articles](#) | [Full bio](#) | [Contact](#)) Juliana Luna is a poetry MFA student at Brooklyn College and a researcher for Prison Banned Books Week, the national campaign raising awareness about carceral censorship.

Lifeline, Cash-Grab, Tool for Censorship: Three Incarcerated Readers on eBooks in Prison

September 20, 2024

Stevie Wilson is an imprisoned Black, queer, abolitionist organizer and multi-genre writer from Philadelphia. His work interrogates the meanings of freedom, community, belonging, identity, and truth. Wilson is rewriting a collection of essays that explore kinship and HIV/AIDS. The first version of the original manuscript, which focuses on the period between 1993 and 2009 when Stevie worked in the AIDS-services field, was destroyed by prison guards. Wilson is the founder of the inside abolitionist study collective 9971 and is the founder of the abolitionist journal In The Belly. He was a 2022 Marvel Cooke Fellow. Wilson has published numerous articles in print and online. His most recent work appears in Radical History Review, the Journal of American History, and the collection After Accountability: A Critical Genealogy of a Concept. Currently, he is a columnist for the Abolitionist, a newspaper published by Critical Resistance.

David Webb was born in Baltimore in 1971. He was raised and attended public schools in West Baltimore. K-3rd Pimlico Elm, 4th and 5th 125 Furman L. Templeton, 6th Booker T. Washington, 6th – 8th graduated Mount Royal Middle, 9th Dunbar High. As a kid, David loved sports, and began playing in leagues organized by the Rec Centers (Robert Marshall, McCollough Homes, Murphy Homes, Lexington Terrace, Crispus Attucks) at age eight. David had no other dream but to play in the NBA. At 14, he got into the trouble that he is still paying for. He discovered literature and that he loved it in his late twenties, and began writing shortly afterward. He currently attends Georgetown University through their college in prison program.

Paula Grieve is incarcerated for life and is currently in Homestead Correctional Institution in Florida.

Stevie Wilson: Tablets Are a New Way for Prisons to Profit off the Incarcerated

In 2015, the PA DOC introduced tablets sold by GTL (now Viapath) to the general population. We were told we would be able to send and receive emails, buy songs and books, submit requests to staff and order commissary via the tablets. These were the selling points of the device which cost \$160. PA DOC paid us \$0.19 an hour and expected us to buy a tablet that required over 842 hours of labor. Most of us purchased the tablet with the financial help of our families and friends. When the DOC introduced the tablets, it phased out the cassette tape program run through its libraries. So, if we wanted to hear music, we had to buy a tablet. And at first, music was all we could access on the tablet.

For almost a year, we didn't have email or eBook access. Even today, nine years later, we still don't have the ability to submit requests to staff or order commissary. Songs, which include lectures and other spoken word materials, cost \$1.91. Initially, we could purchase entire lectures, some two hours long, for \$1.91. The PA DOC got wise and chopped the lectures up, making 20 to 25 minutes available for \$1.91. So, if we want to hear the entire lecture, we had to spend almost \$12.

Emails cost \$0.25 and are restricted to 2,000 characters, including spaces. Calling them emails is a misnomer. It's e-messaging. Unlike emails, which people can use for free, we pay. Also, it can take days before the message is delivered or received. While faster than snail mail, it is nothing like email. Many imprisoned people in PA depend upon e-messaging as a primary form of communication with the world because our snail mail operation was outsourced to Florida in 2018. We don't receive the actual mail that people send to us. We receive a copy. No pictures. No cards. No original drawings. And since snail mail can take 10 days to reach us, people have turned to e-messaging as their primary communication method. The DOC has made receiving mail onerous so many people have stopped using it.

Outsourcing our mail has lined the pockets of Smart Communications (\$4 million/year), GTL/Viapath and the DOC. Imprisoned people and their families are impoverished by this move.

In 2017, the DOC enabled the eBooks app on the tablet. The search function on the tablet is horrible. Most of the subject categories listed have no books listed under them. The only way to know what is available for purchase is to scroll through the entire search list. This would take hours. A hard copy of the catalogue was made available in the library. But you had to purchase a copy. That's \$15.

The books range from \$0 to \$27. The only free books are religious texts that are in the public domain. Other books that are in the public domain still cost between \$3 and \$10. Most of the books are classical literature and fiction. Current fiction is the most expensive to purchase. We cannot make suggestions. So are

tastes are not represented in the catalogue. The catalogue hasn't been updated once in six years.

In 2018, the PA DOC tried to restrict all purchases of book and magazines via the tablet. We had to submit a request via tablet to purchase a book or magazine. The DOC would then search for the book or magazine and respond with a price for it. We didn't know where they searched or how they priced the publication. If we wanted the publication, we would have to submit a cash slip to have the funds deducted from our accounts. The publication would then be purchased, shipped to another address in PA, and then finally shipped to the prison. No one used this service. It was too cumbersome and time consuming. Four months after launching the initiative, the DOC cancelled it.

We were told that along with an expansion of available texts via the tablets, each library under the DOC would be expanded. It never happened. Because the tablets are expensive, there are many people who don't have one. These folx cannot access the eBooks and they have restricted access to the actual library.

We read less and pay more to be distracted. The digitization and monetization of mail has made obtaining books a struggle, financially and emotionally.

I know few people who have purchased any eBooks. I am a writer so I am an exception. I have 42 eBooks. Prices ranged from \$3 to \$22. Most of my eBook library is classical literature and historical works. When I asked other imprisoned people about their tablet experiences and eBooks, most told me they didn't use the tablet to read books. Pricing and selection were the two main reasons cited for not using the tablet to read. Those who didn't have tablets told me they didn't know eBooks are available on it. People don't talk about eBooks. Music, yes. Games, yes. But eBooks, no.

Games were made available in 2019. They cost \$4 or \$5. These are the very games people out there play for free. Some eBooks are cheaper than the games, but people still don't buy them. Overall, there has been a downturn in reading behind the walls. The DOC has erected numerous barriers to books. Whether it's the mail policies, the exorbitant costs of eBooks, especially newer books, or the censorship of the mailrooms, obtaining books has become harder. On the flipside, the DOC has made available numerous distractions (music, games, TVs) at steep prices. We read less and pay more to be distracted. The digitization and monetization of mail has made obtaining books a struggle, financially and emotionally. Money, mainly from the pockets of our families, is being sucked into the coffers of the DOC and private corporations. Access to reading materials is being stymied via policies that claim security and, incredibly, access are the underlying context for the changes. Minds are being closed and pockets are being opened. And the state and its corporate partners are reaping the benefits.

David Webb: Prison Tablets are Great but Could Be So Much Better

It has been close to a year since we were given tablets at this institution in Maryland where I've spent the last two years of a sentence started in 1986.

Everyone loves them—myself included. Honestly, they are so convenient. I believe many remain silent about some of the tablet's issues for fear of being accused of seeking the perfect over the useful. The technology is useful, after all. But what I'm asking for isn't perfect.

To start using a GTL tablet you type in your prison ID and scan your face with facial recognition software. Once you're logged in you can see different applications for different content, like any regular computer or phone. There are two sets of apps: one is free, and the others can only be used after a monetary transaction. Payments can be made from someone on the outside, or through a prison account whose information is already on the tablet because it's affiliated with our IDs.

It's possible some people feel the content is perfectly adequate.

A premium package consists of 55 apps. This package costs \$22 per month. A smaller package gives the same 55 apps at \$10 but is only good for 400 minutes during a 30-day period, which is eight hours. In prison, this is nothing. Either of those might seem like a deal until you realize 38 of the apps are games—games that I've been told are mind-numbingly boring, like Burrito Bison, Bubble Witch, and Pet Saga. Playing games like these is certainly better than staring at the wall, which might be someone's only other option. But they're not much more interesting. I think they grab people's attention and holds it merely due to activating the fight or flight response.

This is not a high hat to those people who enjoy them. Doing time is incredibly hard. I know. If someone survives doing their time because they were able to play these stupid games, it's much better than them being destroyed mentally or engaging in other ways to survive incarceration. It is also not to advocate for getting rid of these games. Merely, what is also needed is the availability of more diverse, informative, and educational content.

Other apps have great content, but there's a roughly two in ten chance you'll get what you select and pay for. For instance, Pluto has documentaries, history, and biography along with films. But good luck viewing what you paid for. Many times, the signal indicator spins endlessly without ever connecting. iHeart has a nice selection of material aside from its catalog of music, like recorded history, famous speeches, and foreign languages. But in order to access exactly what you want, someone on the outside must sign you up and pay a monthly charge. Without that, you can look up an artist and see their work, and maybe hear some songs from them before it arbitrarily switches to music from someone else entirely. For instance, while listening to Tina Turner, you could be switched to

Madonna or Cyndi Lauper. In addition to that, there is a built-in default that never allows you to listen to the songs you choose—even when you pay for them. Instead, your choice is redirected to another album or another artist.

So far there has been no remedy to any of this. As I've said, it has been a year and these problems still exist. But many are of the mind that it's better than nothing and, because there is no choice, we should accept the warts and all. So, we purchase the apps, pretty much, by default as well.

As one would expect, the free apps feature even less. Of my tablet's twenty apps, seven are related to prison operations. There is one for Settings, as in, color, print size (we can't print), etcetera. One deals with personal account information, and another for commissary. The Notices app features a variety of things, like what form of pictures are restricted and descriptions of diseases and their symptoms. The Help app describes how to use the tablet. The Facility Information app features scant information on parole and reentry. The Facility Messages app is an overlap of the others, and features new notices. The Requests app is supposed to address complaints.

That leaves roughly twelve other applications in addition to those. There is an FM radio app, a couple of religious apps featuring literature from multiple denominations and word of the day verses. There is a Merriam Webster's app, which doesn't have modern definitions of words like "gaslight"—for that you have to purchase the better version in the paid apps. There is a Calm app devoted to meditation, with ambient sounds and scenery. The others include the Career One Stop job search app, a Calculator, and a Photo app where you can receive pictures from the outside.

And there is a free Books app.

Most of these free books are titles with expired copyrights that the companies can acquire and distribute for free. For example, some of the titles date back nearly 3,000 years to Homer and others to 150 years ago such as James Joyce. As a writer, I enjoy reading masters like Homer and Joyce. But with innovation constantly upon us, it seems this would require new literature as well. The threat of AI appropriating our employment seems like a more pertinent topic than Charles Dickens relaying the horrors of child labor.

Most of the books available would be by those authors chronologically on the timeline between Homer and Joyce. Authors like Ovid, Dante, Chaucer, Shakespeare, Flaubert, Jane Austen and Emily Dickinson. (The paid apps have about 25% of these titles as audiobooks. I guess we are paying not to read.) This is the bulk of the free Books app, which is the classics section. Other sections, like Legal—which has only one book, a glossary—and Modern fiction, which has six books, are scant and by obscure authors.

The Addiction section has two books—Alcoholics and Narcotics Anonymous—and the Reference has two books, the Constitution and Dale Carnegie's Art of Public Speaking. This is pretty much the entire collection of books with classics dominating the volume. There is no option for search and

choice—say, for a math book or something on celebrities or some other subject of interest—only what is already there. And, whenever I talk to another reader about the tablets—or anyone for that matter—it is never about the reading material. For that, everyone still relies on the library.

So, someone interested in plumbing or some other practical trade is out of luck. When many incarcerated people are eager to learn because we know upon release, a skill would enable a much greater chance of success at transitioning back. There are physical books in the prison library on these skills—sometimes. But library access is limited.

Most prisons allow one visit per week, some every other week, with a little extra time if you have an upcoming court date. Max time with a book is two weeks. Book drops are set up in high traffic areas like the chow hall to eliminate the need to return to the library. Late returns can result in restrictions and money taken from your account. All these restrictions mean library books are highly limited and most people can't access books with near regularity.

In the nine prisons I've been in, not one has had the capacity to meet the needs of incarcerated people. With the exception of people who do their time reading books, many have conditioned themselves not to go to the library unless there is an immediate need. This is done with a mind toward conscientiousness, so not to get in the way of those who need to search and do legal work—which in the minds of prisoners everywhere supersedes everything else in the library.

Tablets represent a tremendous opportunity to increase access. Without taking any space, through the miracle of technology, the mountain is brought to Muhammad on the tablet. Alongside Webster's, there could be reference materials like encyclopedias, content on US history, GED instruction courses, and a very needed Case Law app. I am not suggesting that tablets should replace the physical library, or end the allowance of books. Rather, tablets with robust content would be more than mindless entertainment. It would supplement the physical library, providing access to a broader set of learning and enabling access for people who are in solitary and expand the number of people that can read and learn as they do their time.

If we consider people are here for correction then tablets offer many meaningful and substantial benefits. Reading offers ameliorating effects on the mind and character. Less accessibility appears here as unmitigated error, and shares an affinity with censorship. Depriving someone of reading compounds stagnation. With less choice of potential ways to improve themselves and move forward does not support rehabilitation.

The idea that books and information can change lives is not pollyannaish or liberal fantasy for me. It is a reality. Prior to coming to prison, I had never read a book from cover to cover, or outside of school. I didn't like reading or writing, and was incarcerated with an 8th grade education. Now, I've published a couple articles and I am two years into a Bachelor of Liberal Arts degree with Georgetown University. It took years and years for me to reach this point.

Tablets represent a tremendous opportunity to increase access. Without taking any space, through the miracle of technology, the mountain is brought to Muhammad on the tablet.

I struggle and still have to work for it. Rarely does any of the study come to me easily. But it has always been worth it. The aim in learning is to fill the mind with as much information as it can hold.

One of the things that inspired me long ago was an article in the sports section of the newspaper about Los Angeles Lakers owner Dr. Jerry Buss. After he'd been asked why he still went to school with all of his success, he replied—I'm paraphrasing—that education was a lifelong pursuit. Something simple like that.

So I'm not done. More than anything, my education has shown me how much I still don't know. How much there still is to search and learn. There is a free app on my tablet called Edovo. They are a nonprofit that charges providers and offers free educational content to incarcerated people. I've taken a course on writing that taught me things I didn't know. I learned about major literary periods like the Enlightenment and modernism and how writers in those movements wrote and how to distinguish as a reader those characteristics. That opened up a whole realm of writing for me. They also offer certificates for completing these courses. I have three so far.

The addition of Edovo on the tablets is a big step towards equipping incarcerated people with education and skills. In addition to the educational content, they also have information about re-entry, recovery and health and wellbeing. Having tablets stocked like the shelves in a library would go a very long way toward achieving what prisons claim their goal is: rehabilitation. That is, if prisons are not really the warehouses of the new Jim Crow.

*

Paula Grieve: My Disillusionment with JPay/Securus eBooks

In September of 2018, JPay kiosks were installed in my dormitory. The line of women who waited to use the kiosk slinked down the hallway. Once I reached the front of the line, frustrated and impatient women stood behind me while I read, then responded, to email. With scant remaining minutes before the system automatically logged me out, I searched through the eBooks. It was readily apparent that the selection leaned heavily towards classics. I've read a slew of classics throughout my life, which meant I was not initially as disappointed as my neighbors were. I downloaded *Dracula*, *Alice in Wonderland*, and *The Count of Monte Cristo*, though I never opened the app on my tablet to read them. Instead, I continued to access the facility's library to check out books, or read books loaned to me from a friend. My preferred genre was YA fiction and post-apocalyptic dystopian fantasy.

Eventually, there was a notification sent to all JPay customers, which advised the eBooks would be updated at some unspecified future date.

Nearly six years have elapsed and the only eBooks available remain versions from the public domain with expired copyright. Each eBook I looked at began with the disclaimer: "Project Gutenberg this eBook is for the use of anyone anywhere at no cost and with almost no restrictions whatsoever. You may copy it, give it away, or re-use it under the terms of the Project Gutenberg License included with this eBook or online at www.gutenberg.org."

Last year JPay's contract with FLD0C ended and Securus began servicing the Media, e-Messaging and eBooks. My expectation for a revised catalog was quickly dispelled. The catalog remained the same.

Last week, when I read the call for the eBook experience submission, I decided to search through the Securus catalog, yet again, for any updates. I typed "Poetry" into the search bar and the return was a mixed bag: "Poetry a Magazine of Verse, Volume 1, October-March, 1912-13," as well as, "Plunkitt of Tammany Hall: a series of very plain talks on very practical politics, delivered by ex-senator George Washington Plunkitt, the Tammany philosopher, from his rostrum at the New York County courthouse bootblack stand; recorded by William L. Rior."

Plunkitt of Tammany Hall was definitely political science, not poetry.

I clicked on most downloaded, which returned the options of: "10,000 Dreams Interpreted; or What's in a Dream a Scientific and Practical Exposition by Gustavus Hindman Miller" which, surprisingly, had the most downloads at 439, as of yesterday.

Lyman's Frank Baum's "Glinda of Oz In Which are Related the Exciting Experiences of Princess Ozma of Oz, and Dorothy, in Their Hazardous Journey to

the Home of the Flatheads and to the Magic Isles of the Skeezers and How They Were Rescued From Dire Peril by the Sorcery of Glinda” garnered only 34 downloads.

My experience with the eBook catalog was not a complete disappointment. Last month I received the required text list for a Study of Literature course I enrolled in through Adams State University. I must pay for all required reading separately from tuition costs. I was grateful to find that 4 of the 10 required texts were available for free through the Securus eBook catalog. My family did not have to purchase: *O Pioneers!* by Willa Catha, *Frankenstein* by Mary Shelley, *Heart of Darkness* by Joseph Conrad and *The Great Gatsby* by F. Scott Fitzgerald. Thank you Securus!

I had hoped for a more robust selection, but truth be told, I prefer to hold a real book in my hands. Due to recent policy changes, incoming physical mail must be scanned and sent digitally to the tablet. My greatest concern regarding the lackluster showing of available eBooks stems from the very real possibility that the FLDOC may eventually bar incoming books. Were that to occur, educational and recreational reading opportunities would be limited solely to eBooks.

Microsoft's iron cage: Prison surveillance and e-carceration

Tech corporations are expanding the scope of surveillance across the correctional pipeline, but who pays the price?



The exterior of Cook County Jail in Chicago, Illinois [File: REUTERS/Jim Vondruska] By [Michael Kwet](#) Published On 21 Dec 202021 Dec 2020

Fyodor Dostoyevsky, author of “Crime and Punishment”, once wrote, “The degree of civilisation in a society is revealed by entering its prisons.” Updated for the 21st century, our “degree of civilisation” might be revealed by the technology used inside them.

For Microsoft, prisons represent a market. In recent years, the company and its business partners have started providing an array of surveillance and Big Data analytics solutions to prisons, courts and community supervision programmes.

This comes against a backdrop of global protests against police violence along with calls to defund the police and address institutional racism at every level of the criminal justice system.

In response to this, on June 23, Microsoft CEO Satya Nadella sent an email to his employees, assuring them the company is committed to “address[ing] racial injustice and inequity, and unequivocally believe that Black lives matter.”

The company claims that through their “justice reform initiative”, Microsoft will supply digital technologies that increase police transparency and “direct people into treatment alternatives instead of incarceration”.

But this is not the full picture of Microsoft’s relationship with criminal justice.

What the email did not mention was that for years, Microsoft has partnered with a company called Tribridge to build a corrections management suite – based on a flagship product, Offender 360 – which includes an inmate surveillance and risk scoring solution, a “youth offender” management solution and risk assessment solutions for pretrial and the courts.

Microsoft has also worked on electronic monitoring solutions with partners for persons under “community supervision”, and has its own Microsoft-branded “Digital Prison Management Solution”. Additionally, Microsoft partners with Morocco-based Netopia Solutions, which offers its own “Prison Management Solution” in Africa.

Taken together, Microsoft and its partners’ carceral solutions cover the entire correctional pipeline, from “juvenile delinquency” to pretrial and probation, into prison, and after inmates are released on parole.

Microsoft’s involvement in the carceral state reveals how tech corporations are expanding the scope of surveillance and high-tech tools that discipline and punish communities of colour and the poor. For Microsoft, incarceration is a [lucrative opportunity](#), as “Digital transformation makes it possible to consider prison as a business.”

The Microsoft police state

Microsoft has a little-known [law enforcement-focused division](#), Public Safety and Justice, which provides integrations and services on its Azure cloud in partnership with independent software vendors operating away from public view. Microsoft’s primary business in criminal justice is carried out with its partners, and it largely generates revenue by licensing software and/or renting out storage capacity, servers and software running on cloud infrastructure.

In addition to an extensive partner ecosystem, Microsoft offers its own law enforcement solutions, such as its Domain Awareness System (DAS), called Microsoft Aware – a surveillance and analytics system first developed in tandem with the NYPD and unveiled publicly in 2012. Since then, Aware has been purchased by police forces in Atlanta, Washington, D.C., Singapore and Brazil.

With Aware, people are monitored by CCTV cameras and city sensor dragnets, subjected to facial recognition, video analytics, and surveillance-based police patrols, supplemented by Big Data analytics. As we will see later, Microsoft Aware forms the foundation for its own Digital Prison Management Software.

In response to a request for comment about the software in this article, Microsoft stated, “Microsoft has nothing to share”.



The regional headquarters of Microsoft in the Silicon Valley town of Sunnyvale, California [File: Smith Collection/Gado/Getty Images]

Offender 360: To surveil, predict and analyse the correctional pipeline

Microsoft's [first flagship product](#) for correctional services [dates back to around 2009](#), when the Illinois Department of Corrections (IDOC) embarked on a multi-phase, \$30-million overhaul of its antiquated computer systems.

At the time, the IDOC managed 49,000 offenders in custody and 28,000 parolees across 28 facilities using more than 40 separate computer applications. Search inquiries required customisation and could take up to two weeks.

Microsoft and its partner Tribridge, a tech company that specialises in business applications and cloud solutions, Microsoft built the IDOC a searchable [web-based solution](#) called Offender 360 to centralise databases in the cloud and upgrade its prison management capabilities.

[Then-Governor Patrick Quinn](#) said at the time, Microsoft's "cutting-edge technology will give Illinois one of the most advanced criminal justice information systems in the country."

An early brochure listed a variety of features that would integrate, index, and expand every bit of data available about inmates for computer-based functionality and analytics:

- Tracking capabilities include an inmate's physical location – their movement history between specific locations, such as a prison, and within them – and identification by attributes such as height, weight, scars and marks (such as tattoos), religion, and known aliases.
- Categorisation and classification features index attributes such as security characteristics (for example, aggression level and offender grade) and case and behavioural histories.
- Search features allow prison authorities to locate inmates of interest and observe their profiles for ad-hoc queries and real-time data analysis. For example, prison authorities can search for "inmates under the age of 50 with a projected parole date within five years" or inmates "classified as highly aggressive, high escape risk, with known affiliations to one or many security threat groups".

The constant stream of data collection becomes a form of behavioural surveillance that follows prisoners wherever they go.



Prisoner advocates fears surveillance of prisoners has expanded as new technologies have been introduced to prisons [File: RJ Sangosti/The Denver Post via Getty Images]

Monica Cosby spent 20 years in Illinois prisons, and is now co-director of Organizing with Moms United Against Violence and Incarceration (MUAVI). She explained to me the problem with continuous prisoner profiling and its effects on the inmate population.

Everyone has a [“Master File”](#) kept by the IDOC “that has all your info in it,” Cosby explained. This includes your behavioural history, staff assaults (which, Cosby notes, could include false accusations), medical records, inmate property – they monitor basically everything you have and do while in prison, she said.

The data collected can be used against the inmates. For example, the record of alleged inmate “misbehaviour” can be brought up at a parole hearing, and Big Data analytics can deem inmates as prone to violence or recidivism. However, the fine details about what is collected and evaluated by analytics are often not available to the public.

Cosby and other advocates fear the surveillance of prisoners has only expanded as new technologies, such as iPads used for education or entertainment, are introduced in the prison population.

Over time, each data point creates a record and with it a permanent chain to the past. “There is an inherent narrative in the data and the presentation of that data ... that is always going to be held against Black, brown, and poor people [who are already suspected of being criminal],” Cosby said.

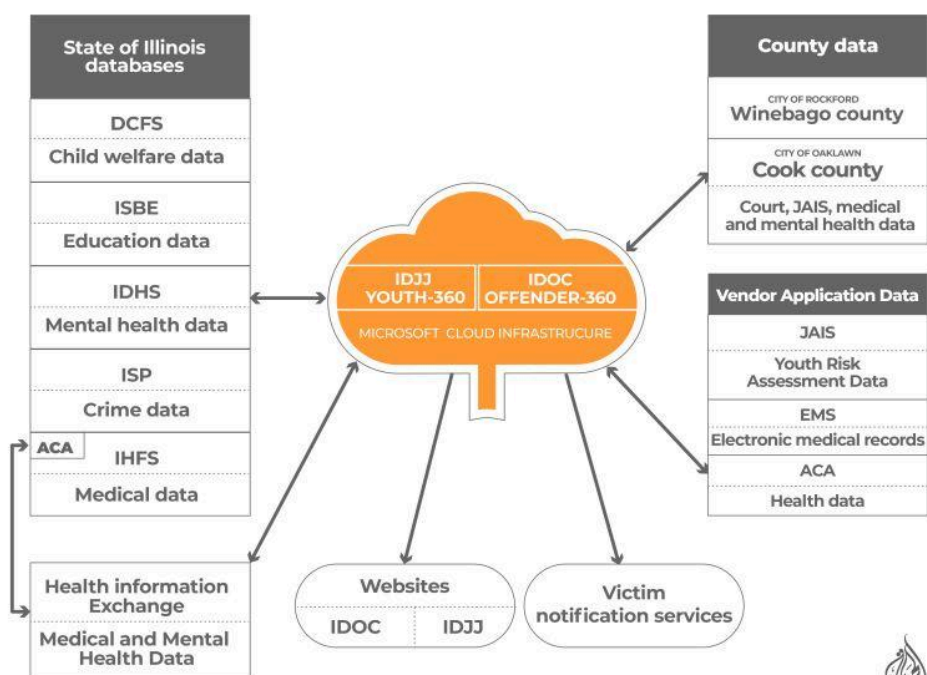
Youth 360

In Illinois, the work of Microsoft and Tribridge was not limited to adult incarceration. The Youth 360 system was designed for the Illinois Department of Juvenile Justice (IDJJ), which manages the state’s five [juvenile correctional facilities](#).

A schematic representation of Offender 360 and Youth 360 Microsoft cloud infrastructure. Information includes education data from the Department of Children and Family Services (DCFS), Illinois State Board of Education (ISBE), Illinois Department of Human Services (IDHS), Illinois Healthcare and Family Services (IHFS), Juvenile Assessment and Intervention System (JAIS), electronic medical records (EMR), Affordable Care Act (ACA), Illinois State Police (ISP), and the courts [Al Jazeera]

Offender 360 and Youth 360

Microsoft cloud infrastructure



Source: Al Jazeera | DECEMBER 21, 2020



@AJLabs ALJAZEERA

Youth 360 is similar to Offender 360 in that ingests a wide range of data about its subjects. Youth 360 data [can be linked](#) to other data systems, such as school and public health systems, and it hosts [Youth Assessment and Screening Instrument \(YASI\)](#) data to profile “criminogenic risks, needs, and strengths.” YASI is used for every youth put on probation.

For many youth – especially children of colour, disabled, lower-class and other marginalised groups – schools can be hostile sites of policing and surveillance. As a result, schools often become entry points into the carceral system, in what scholars and activists call the “school-to-prison pipeline”.

Jesse Hagopian, a Seattle-based activist, teacher and editor of the magazine Rethinking Schools, explained to me that young people of colour are disproportionately subjected to a “school-to-prison nexus” in which schools “increasingly resemble jails themselves, so that you have metal detectors, and police, and random searches of students in the school building themselves, conditioning mostly BIPOC youth to accept a

society that surveils them, that punishes them and that maintains gross inequality”.

“And then there’s an overlapping system of the school-to-prison pipeline that sends them from schools that are increasingly resembling prisons themselves into actual jails – whether that’s a youth jail for kids or getting them ready to go to an adult jail when they leave the school.”

The Seattle Times reports that in Seattle schools, racial disparities in youth discipline begin as early as the age of five. Over time, Black school children are suspended at four times the rate of white children, often for developmentally normal behaviours such as “disobedience” or “rule-breaking”. Nationwide, Black children are about [five times more likely to be detained](#) in juvenile justice facilities than white youngsters and are disproportionately sent from juvenile to adult court.

In Illinois, where Youth 360 is deployed, the [racial dynamic is similar](#).



Protesters march to City Hall in support of defunding the police on August 5, 2020 in Seattle, Washington [David Ryder/Getty Images]

For Hagopian, tracking behaviour and creating risk scores for children is “about naming and shaming”.

“[It] sounds like it is straight out of [Orwell’s] ‘1984’,” he added.

In response to a request for comments, the IDOC requested a list of questions. Once they were sent, it responded, “the Department is declining participating in this interview.”

Pretrial360

A third system, called Pretrial360, offers case management and predictive analytics software for the courts. Rolled out in Weld County and Mesa County, Colorado, in [2015](#), it shifts pretrial management from a resource-based model (where the defendant pays for bail) to a risk-based bail decision where risk assessments provide judges with information about defendants and inform decisions about holding or releasing alleged offenders who were arrested and charged before their trial. It also manages the supervision process if defendants are released from the county detention facility. While the fine details about Pretrial360 are not publicly available, some of its metrics include “criminal history tracking, mental illness, pending charges, past FTAs [failure to appear in court], and ability to track a monitoring device”.

Pretrial360 centralises data from criminal records, jails, police departments, and other data sources, which speeds up data assessments for Mesa County’s Criminal Justice Service Department (CJSD).



Proponents of pretrial software claim it can be used to keep more people out of jail or prison, but critics argue that biased data and poorly

designed software can lead to Black people being assigned a higher risk score than white people with the same characteristics [File: Drew Angerer/Getty Images]

A variety of pretrial products are available on the market, such as Northpointe COMPAS and CorrectTech Pretrial. Proponents of pretrial software claim it can be used to keep more people out of jail or prison. When guided by algorithms, they argue, a court can quickly determine if a person is likely to skip trial or re-offend. Low-risk defendants can be promptly released back into the community and placed under the supervision of a probation officer. That officer can then use the pretrial software to manage the probation process, potentially adding more data points to the surveillance archives. Algorithms can also be used to calculate sentences.

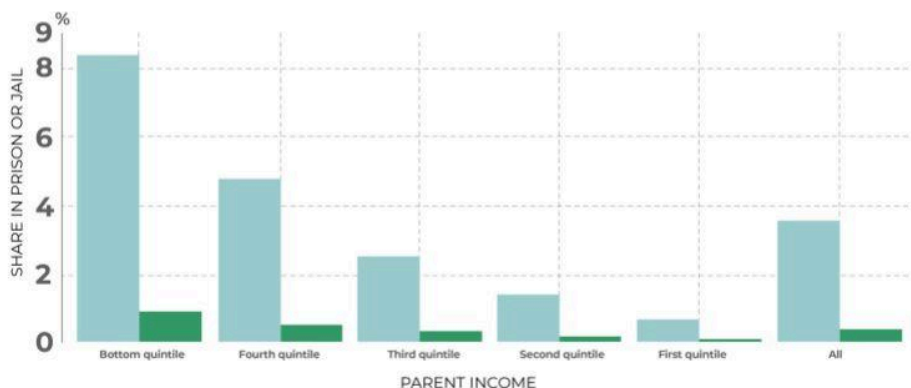
But critics argue that for communities of colour – over-policed, discriminated against and disadvantaged by structural factors like inter-generational poverty and residential segregation – biased data and poorly designed software leads race-neutral algorithms to [assign a higher risk score](#) to Black people than white people with similar characteristics.

While judges often make the final decision about a defendant, and can override the software's recommendations, evidence suggests the algorithms bias outcomes. In 2019, [two academic studies](#) found that Kentucky courts guided by pretrial algorithmic assessments produced outcomes more favourable to white than to Black defendants. A [third study](#) found that judges across the country guided by algorithms exhibit a class bias against the poor.

UNITED STATES

Incarcerated people, according to their family's income

A male who grew up in a family earning less than \$14,000 (bottom quintile) is 20 times more likely to be incarcerated in his early 30s than a male whose family earned more than \$143,000 (top quintile).



Notes: The share in prison or jail is an estimate of the total incarceration rate (in prison or in jail) based on the share of the 1980-1986 birth cohorts incarcerated in an adult correctional facility in the 2014-5 year American Community Survey.

SOURCE: THE BROOKINGS INSTITUTION | MAY 2018



[Al Jazeera]

Risk assessment software is typically proprietary, so the “black box” algorithms shaping criminal justice cannot be scrutinised by the public. Certain variables in an algorithm might serve as proxies for race, such as formal education level, employment status, or criminal record, and therefore re-inscribe race – and racial bias – in a “criminal risk score”. Without an ability to understand how the systems work, everyone is simply asked to “trust” the software is fair and just, including defendants.

Expanding the correctional surveillance web

Even if correctional software did not produce racially biased risk assessments, people from all walks of life are now being swept into a rapidly expanding surveillance net where personal histories are archived by the state and carried along with them through each stage of correctional supervision.

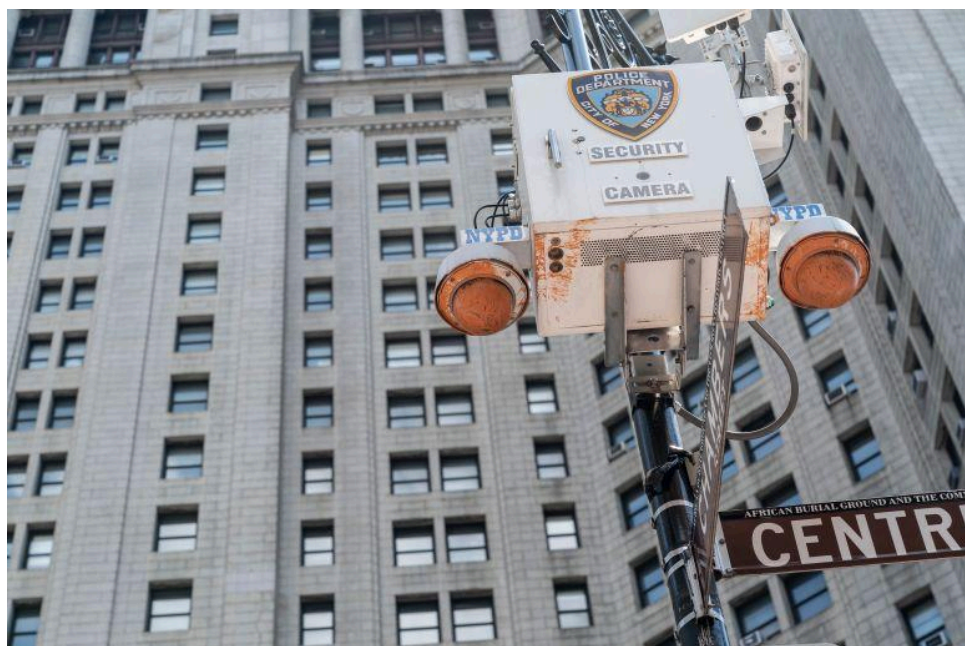
Living with a Master File collected by the state thus becomes an endless burden. Once you are caught in the correctional system, any mistake or perceived misdeed can be held against you.

Prison correctional officers (COs) assign “tickets” to those they deem to be misbehaving. Yet “misbehaviour” is often in the eyes of the beholder, and COs face little accountability for potential abuse of the system.

MUAVI’s Monica Cosby said many of the “staff assaults” recorded in the Master File are “BS, [like the officers] got their toe stepped on while breaking up a fight”. In one incident, “one lady got a ‘staff assault’ [ticket] because the police ran into three different people, and her cane got knocked out of her hand because one of the people he bumped into bumped into her,” she explained.

When “tickets” resulting from correctional bias or abuse of authority are recorded in an inmate’s Master File, it can have an effect on that inmate’s chance of getting parole. “[A parole board may say] ‘we don’t think you’re a good candidate for parole because you got a ticket 10 years ago that says “staff assault”,’ when really, the police ran past you and tripped over your wheelchair,” Cosby said.

Issues of staff abuse and even outright [fabrication](#) make data collection and analysis all the more problematic.



NYPD security cameras covered with paint by protesters [File: Lev Radin/Pacific Press/LightRocket via Getty Images]

Tribridge's three core products – Offender 360, Youth 360 and Pretrial360 – drastically expand data collection and analysis. The software brings together “separate silos” of information – be it from schools, medical systems, or disparate correctional databases – to give a complete “360-degree view” of each person. Individuals can then be compared against other people in the database as part of an ongoing (involuntary) human experiment said to identify traits like aggressiveness or predict behaviours, such as “escape risk” or the likelihood of committing a crime.

Under the guise of “data collection” and “better management” of people, Big Data systems are designed to keep tabs on people in increasingly fine detail – at a profit for tech corporations.

More counties

In October 2014, Cook County, Illinois, the second-most populous county in the US, [added Offender 360](#) to its jails.

In [July 2017](#), Microsoft partner DXC Technology, a Fortune 500 giant, acquired Tribridge and re-branded its Offender 360 software under [the DXC label](#) as “DXC Offender360”.

The following year, DXC pitched its software for use in Miami-Dade County – the seventh most populous county in the US.

The [contract](#) details a staggering variety of features. Capabilities include the ability to track the movement of inmates across facilities using barcode scanners, wristbands, mobile devices, or biometric readers; real-time “head counts” of inmates at all locations; and alerts for probation violation.



People hold posters as they stage a demonstration against Immigration and Customs Enforcement (ICE) in front of the Microsoft building in New York on July 31, 2018. Demonstrators claims Microsoft has substantial contracts with ICE and the Border Patrol that enable these agencies to tear migrant families apart [File: Atilgan Ozdil/Anadolu Agency/Getty Images]

DXC also says its software can help track down and detain people for Immigration and Customs Enforcement (ICE).

Microsoft has come under fire in recent years for its contract servicing ICE, an agency within the Department of Homeland Security which detains and deports undocumented immigrants. Microsoft’s CEO, Satya Nadela, and its president, Brad Smith, [defend](#) the contract, [stating](#) that they support immigrants and that their company simply provides ICE with services for moving email, calendar, messaging and document management workloads.

Other counties that have inked contracts for Offender360's correctional software include [San Diego County, CA](#), [Placer County, CA](#), Santa Clara County, CA, and [Maricopa County, AZ](#) (the fourth-most populous US county). Public records also indicate a launch in [San Francisco, CA](#).

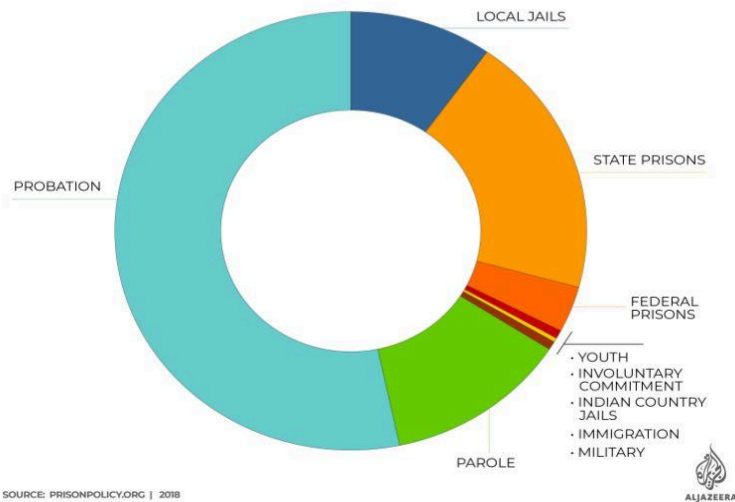
E-carceration

Over the past few decades, US prison populations dramatically expanded under the “war on crime” that disproportionately targeted people of colour. Today, while the US has less than 5 percent of the world's population, it has at least 20 percent of the world's known prison population.

UNITED STATES

Adults in the correctional system

The majority of people in the correctional system are under community supervision (probation and parole) rather than behind bars



[Al Jazeera]

However, there is a second form of incarceration less spoken about, called “e-carceration”. As crime has dropped and prison populations in the US have modestly declined, the criminal justice system has increased the number of people released on probation (where courts order offenders to be supervised in their communities instead of sending them to prison) and parole (where prisoners are released under supervision after serving all or part of their sentence). Other supervised communities

include those on pretrial release, juveniles, and immigrants awaiting the results of asylum or deportation cases.

Probation and parole are collectively known as “community supervision”. When a person is put under community supervision, the courts generate a set of terms and conditions for the sentence. A person may be put in house arrest or given curfews. They may be allowed out of the house from 10 am to 4 pm only, Monday to Friday. They may have to undergo drug and alcohol tests – which can be demanded by an officer at any given time, without warning – and/or be required to obtain employment.



A security guard checks for contraband inside an ankle monitor as a man goes through security before going into the Douglas County courthouse on January 14, 2019 in Castle Rock, Colorado [File: Helen H. Richardson/The Denver Post via Getty Images]

Probation and parole officers typically use technology like GPS-enabled ankle bracelets for electronic monitoring (EM). Human rights advocates have objected to the use of EM as a means to “release” people from correctional facilities, arguing that it instead creates “digital prisons” that extend incarceration into the offender’s own personal community.

[James Kilgore](#) is a research scholar at the University of Illinois’s Center for African Studies in Champaign-Urbana. After spending six years in

prison, he became a respected advocate for prison abolition, and has published high-profile works about incarceration and human rights.

Kilgore was under community corrections after he was released from prison in 2009, and was given an ankle monitor to make sure he was home during the hours set by the courts. Under EM, the GPS device must always be on, and supervision officers can show up to conduct searches at any time. He described the psychological effects.

“When I went to bed at night, I kept having to feel my parole agent was laying across the bottom of the bed under the covers,” he told me.

“It’s a sense of always being watched, never sure if you’re going to do the right thing. If the device has technical flaws, it might lose its charge or signal. If it lost signal, I’d have to go and stand out in my front yard at two o’clock in the morning so the signal would pick up. You always feel something is going to go wrong and you’re going to get called in and sent back to prison simply because the device doesn’t do the right thing.”

Kilgore added: “It places huge stresses on your families because A) they have to worry about whether or not you make it back in time if you go out with them, they worry more than you do to get you back in time, and B) then they have to do things for you because you can’t go out. If you need something, if you get a headache and need some aspirin, they’ve got to go do it for you... It becomes a burden.”

Many, he said, are “going to find it very difficult, if not impossible, to get work, because A) you’ve got restrictions of your hours, and B) a lot of people don’t want you working if you have this big, clunky thing on your leg. Or your parole agent can show up at your workplace to look around... They have a 24/7 search warrant for any place that you are.”

The result is that those under electronic monitoring who do find work tend to end up in “part-time, precarious jobs”, Kilgore said. “Your hours are not predictable, your days are not predictable, but you have to be predictable to your parole agent.”

DXC offers solutions for community supervision. Its Offender360 software for Miami-Dade County lists the Sentinel Omnilink GPS Trackable Ankle Monitor and Fleetmatics GPS fleet tracking software (acquired by Verizon) as software “interfaces” for the Offender360 application. Additionally, it offers the [PUMA smartphone software](#) for probation and parole.



Blue dots on an aerial photo of Quincy represent where individuals wearing GPS and radio monitoring bracelets have been, as seen on a computer screen demo at the Mass Probation Service electronic monitoring program [File: John Tlumacki/The Boston Globe via Getty Images]

Monica Cosby was placed under electronic monitoring for 60 days after she was released from prison and put on parole. Cosby told me, “there are a gazillion rules to follow about where you can go, where you can live, who you can associate with”, which is tied to your Master File.

This can lead to isolation, especially for communities of colour: “A lot of this [information in your Master File] determines where you can be and who you can communicate with when you come out... You can’t talk to anybody that is in a gang, or is a ‘security threat’ – or is affiliated [with a gang] – that’s everybody” because so many people know people who are part of an alleged “gang”, she said.

Moreover, “all of this data that is held actively targets people”, Cosby said. With electronic monitoring, officers can show up to search parolees at any time. In effect, EM “brings the prison to you, it makes your crib a satellite of the prison”. This “puts everyone in proximity to the police”, leading to further isolation from the community.

In response to a request for comments, DXC Technology asked for a list of questions. Once they were sent, it did not respond to further emails.

Microsoft's carceral solutions in the UK

In addition to DXC, Microsoft has developed its own Azure solution for electronic monitoring, what it calls “next generation offender tracking”, powered by the [Microsoft Internet of Things](#). The solution, created for UK authorities, strives to alert police and probation officers in real-time to parole violations.

In the UK, Microsoft is also advertising its controversial Domain Awareness System, the Microsoft Aware surveillance platform, as its very own [Digital Prison Management Solution](#) (DPMS) for prisons. A product that combines “Microsoft technology with corrections operational knowledge”, the solution “empowers agencies and prison authorities to ingest and collaborate on data to respond to real-time threats and hazards whilst streamlining operations,” providing “a feature rich situational awareness platform” for prison authorities.

For Microsoft, this was years in the making. In a 2016 blog post, [“Digital Technology and the Prison of the Future”](#), Microsoft envisioned prisons monitored with CCTV, drones and IoT devices, including “finger, face, and eye recognition to identify inmates” as well as RFID tagging and tracking bands.

Much like its New York City surveillance solution, the DPMS seeks to provide authorities with a 21st century God-like view of their human subjects. “Law enforcement organisations and prison authorities,” [Microsoft explains](#), “have many powerful tools to provide insight regarding violent crime and terrorism, including real-time sensors (e.g., remote detectors, automated car registration plate readers, and closed-circuit television [CCTV] cameras) as well as traditional law enforcement data (such as ... police ... and national security records).”

Yet they face a problem: “These tools are disconnected from each other, requiring enforcement staff to manually assemble a complete picture of a potential threat or crime.” Authorities require “a solution that can ‘fuse’ this disparate sensor and system data to help provide instant, comprehensive situational awareness and help investigative and response activities” to keep both “prisoners and staff safe.”



A Microsoft logo seen at one of their stores in London, UK [File: Keith Mayhew/SOPA Images/LightRocket via Getty Images]

Enter Microsoft. With the [Digital Prison Management Solution](#), prisons can ingest and process CCTV cameras, body-worn cameras, and tactical system data for applications like crowd control, perimeter breaches, and recorded incidents. Using surveillance devices, authorities can “virtually patrol a custodial community 24×7.” The Solution provides “geospatial analysis”, and claims it will “detect threats” by “aggregating massive amounts of data”, “make data-driven decisions”, “eliminate investigative silos”, and “enhance intelligence capabilities” for things like “collabor[ation] with detectives, patrol, and other analysts”. For prisons, Microsoft’s DPMS appears unprecedented in scope and sophistication.

‘Africa Partner of the Year’: Netopia Prison Management Solution

Microsoft has also expanded its footprint into African prisons. Its partner, Morocco-based Netopia Solutions, provides software called “Prison Management Solution”, or PMS. Netopia [describes the solution](#) as “a modern system dedicated to the management and monitoring of the prisoners, from their incarceration to their release.” The software is

[listed](#) on Microsoft's AppSource website, added in [January 2019](#).



Security forces stand guard outside a prison in Sale, near Rabat, Morocco
[File: AP Photo/Mosa'ab Elshamy]

With Netopia's PMS, prisoner data is collected (sentence, health, social activities, education and other data) and is shared "between different institutions and players". Software features include, among others, "electronic agenda planning of internal and external movements", inmate activities, as well as dashboard features, reports and statistics. Other prison solutions [include](#) acquisition and verification of biometric data, "automatic sentence calculation" and "escape management".

In 2015, Amnesty International [issued a report](#) on Moroccan security forces torturing prisoners. Methods used include "beatings, asphyxiation, simulated drowning, psychological and sexual violence", and are directed at "protesters, political or student activists, as well as people suspected of terrorism." London-based NGO Adala UK also [documented](#) torture and abuse of Sahrawi political prisoners in Moroccan prisons. The Moroccan government [condemns](#) the use of torture, and claims to be reforming its prison system. However, it continues to imprison human rights activists, and stands accused of [ongoing prison abuse](#).

Throughout sub-Saharan Africa, prisoners face overcrowding and extreme abuse. The systems are connected to the [legacy of colonialism](#). Nigerian-born Biko Agozino, a professor of Criminology at Virginia Tech University, told me, "In Africa, we managed to live for thousands of years without building a single prison... For Africa, the prison is a legacy of colonialism. All the prisons in Africa were built by colonisers [for slave trafficking and social control over Africans]".

Netopia has been a partner to Microsoft since 2004. In 2017, Netopia was named a Microsoft ["Africa Partner of the Year"](#). In the press brief,

Microsoft praised its software, explaining that: “Their eGov suite called CIVIS includes biometric passport solutions, prison management and healthcare assistance modules being rapidly adopted. Recognised this year with the Microsoft eGov Innovation Grant, Microsoft Azure platform is the next generation platform helping Netopia scale their solutions across new markets. Netopia were successful in transforming their business model and now going to offer their solutions as managed IP.”

While it is not clear where exactly Netopia Prison Management Solution is deployed, [Microsoft stated](#) that “Netopia is [a Microsoft partner/vendor] in Morocco with a deep focus on transforming digitally, Government services in North and Central Africa”.

Sohela Surajpal, a recent graduate of the Pretoria Centre for Human Rights who wrote her [dissertation](#) on prison abolition in Africa, told me that many Africans “get lost in the system” during pretrial, because “the courts are overburdened” and those arrested are often poor and unable to afford legal assistance. In some countries, if their records get lost, “they will now most likely spend the rest of their lives in the prison because nobody even knows they are there”. Software can help avoid these horrific problems, she remarked.

On the flip side, Surajpal said, Netopia describes a system that “creates an expanded carceral state with a lot more power and control of the people in prisons.” In many African countries, “inmates can leave and go visit their family or walk around town”, she said. “This is the result of how these communities think about justice, and because there are not enough resources and will to control people.” This approach, “may not be perfect, but is more humane than locking people away in cages”.

Surajpal said systems like Netopia’s PMS “could do a lot of damage to these kinds of open-air prisons.” When companies start to build in “escape probability” and “monitoring prisoners and their movement, we begin to cement prisons in the way that they exist in the US”, she said.

Moreover, with the “shift towards more surveillance that we’re seeing in parts of the justice system ... if states [obtain] the technology to surveil far more effectively, it’s only going to push this extreme surveillance attitude that is being adopted.”

Surajpal noted, “Africa has its fair share of dictators or authoritarian governments, and very homophobic countries.” She worries with “technology which allows governments to track people more effectively, make projections about prisoner behaviour, and risks of re-offending ...

you equip governments to use prisons more effectively to pursue this authoritarian, prejudicial mandate.”

Netopia Solutions did not respond to multiple email requests for comment.

Microsoft public relations: A house built on sand

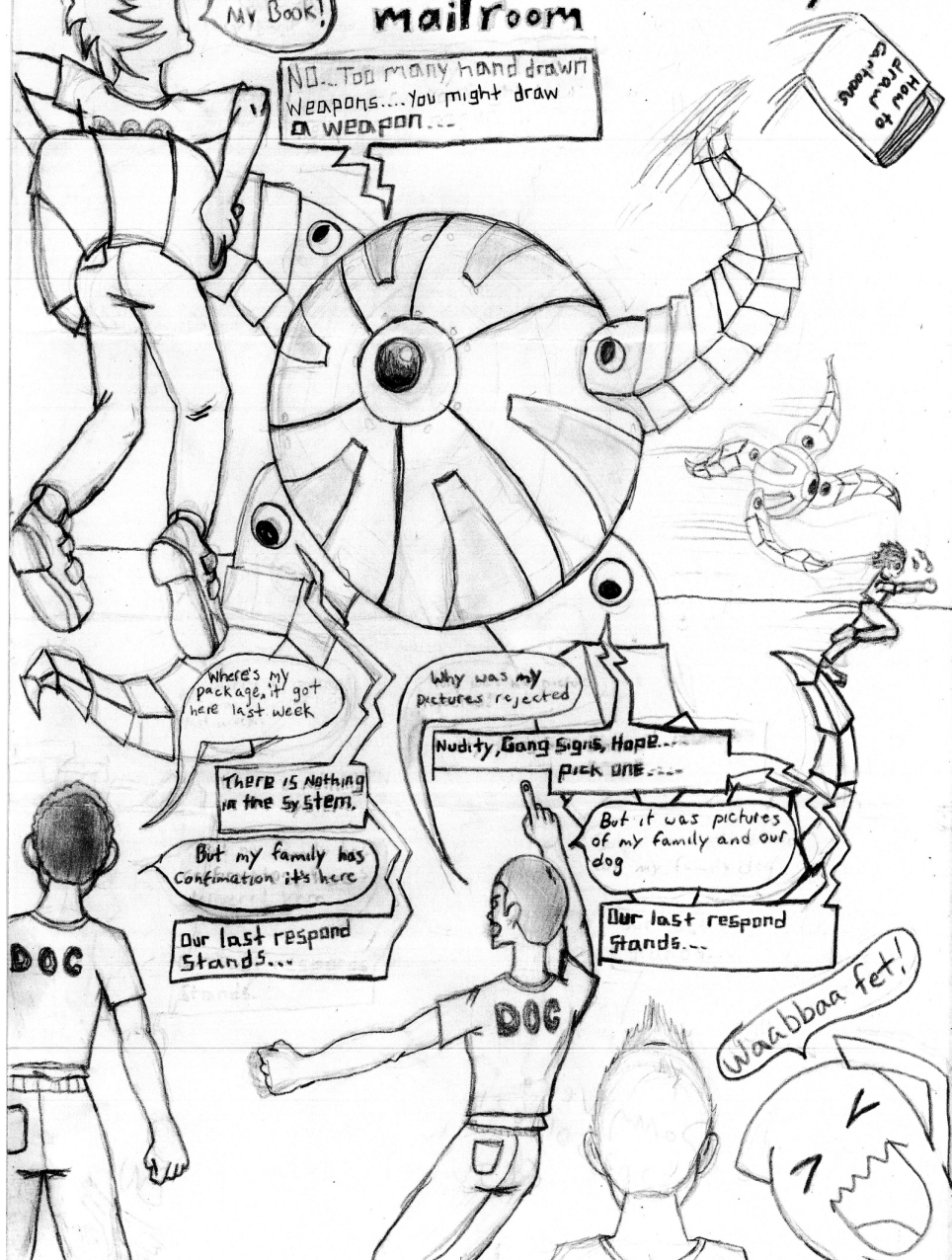
In July, Microsoft CEO Satya Nadella commemorated John Lewis, the US congressperson and civil rights legend who had just passed away.

Lewis was arrested 45 times during the course of his life, and was sent to prison for using a “white” restroom in Jackson, Mississippi. At the Parchman prison, guards [dehumanised](#) Lewis and his comrades for resisting Jim Crow segregation.

Decades later, the cruel and inhumane conditions of prisons remain intact, in the United States, in Africa and elsewhere. For Dennis Childs, author of “Slaves of the State: Black Incarceration from the Chain Gang to the Penitentiary”, “the [prison industrial complex] represents a system of transferring public wealth over to powerful corporate and political interests that are wreaking harm on an unimaginable scale.”

In true capitalist form, Microsoft offers prisons its Aware Solution at a price per head: £504 (\$679) to £2602.74 (\$3,505.98) per person per day.

What it feels like to deal with Cook County Jail mailroom



Danny Neira